श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 06 ग्वालियर, गुरुवार 06 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

कवच योजना से दूर होगी किसानों की ऋण संबंधी चिंता, सीएम ने बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया संवाद

किसानों के खेतों से खातों तक सरकार रख रही ध्यान

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ गांव-गांव तक पहुंचा रही है। सरकार किसानों के खेतों से लेकर उनके खातों तक का पूरा ध्यान रख रही है। खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज और कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के साथ किसानों के खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल ने ऐतिहासिक कवच योजना को मंजूरी दी है। इस योजना से उन किसानों को राहत मिलेगी, जो सहकारी खातों में पुरानी गड़बड़ियों और जांच में देरी के कारण नए ऋण तथा सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित थे। अब ऐसे किसानों को मुख्यधारा में लाकर उन्हें कृषि ऋण और योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

किसानों से संवाद का उत्सव है बलराम कृषि महोत्सव : मुख्यमंत्री ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों के साथ संवाद का उत्सव है। अब तक प्रदेश के 20 जिलों में 10 आयोजन हो चुके हैं, जबकि नर्मदापुरम में यह 11वां आयोजन है। सरकार खेत में बीज डालने से लेकर उपज का उचित मूल्य दिलाने तक किसानों के साथ खड़ी है।

उन्होंने बताया कि गेहूं उत्पादक किसानों के लिए समर्थन मूल्य और बोनस के साथ रिकॉर्ड 104 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। सोयाबीन किसानों

को भावांतर योजना का लाभ दिया गया है। अब सरसों और धान को भी भावांतर योजना में शामिल किया गया है। पहली बार श्रीअन्न कोदो-कुटकी की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी कर किसानों को बोनस दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की मांग को देखते हुए मूंग उपार्जन की सीमा पात्र किसानों के लिए 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। उन्होंने किसानों से फसल विविधीकरण अपनाने की अपील करते हुए कहा कि पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी आय बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है।

फलों के बाग और नर्सरी के लिए मिल रहा अनुदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए अब खातों के निपटारे की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पहले जहां छह-छह महीने में खाते पटाने की व्यवस्था थी, अब एक साल में खातों का निपटारा किया जा सकेगा। 31 मार्च तक खाते क्लियर करने की बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के साथ आधुनिक खेती, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले में आम, अमरूद, संतरा, अनार, नींबू और केला जैसी उद्यानिकी फसलों की अपार संभावनाएं हैं। फलों के बाग और नर्सरी लगाने के लिए सरकार अनुदान दे रही है।

किसानों को पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों को ÷एक बगिया मां के नाम÷ योजना के माध्यम से लाभ दिया जा रहा है। वहीं फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर किसानों को 50 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।

नर्मदापुरम की पहचान रेशम नगरी के रूप में : मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदापुरम रेशम नगरी के रूप में प्रसिद्ध है। यहां का उच्च गुणवत्ता वाला रेशम, शरबती गेहूं और बासमती चावल जिले की पहचान बन चुके हैं। बाबई-मोहासा औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। कटनी के पास लॉजिस्टिक्स पार्क भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिपरिया और पचमढ़ी क्षेत्र के स्थानीय निवासियों की समस्याओं का समाधान सरकार ने किया है। राज्य सरकार पूरी तरह किसान कल्याण के लिए समर्पित है और कृषि वर्ष के दौरान किसानों के हित में गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी। इस अवसर पर सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

दतिया के अवधेश नायक बने कांग्रेस के प्रदेश महासचिव

दतिया जीएनएस

मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़े फेरबदल के तहत दतिया के वरिष्ठ नेता अवधेश नायक को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी चीफ) ने उन्हें प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। अवधेश नायक की नियुक्ति को संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका और बढ़ते राजनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे नायक को नई जिम्मेदारी मिलने से दतिया सहित ग्वालियर-चंबल अंचल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में

उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं का मानना है कि संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अवधेश नायक को नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का बन जाती है कारण : राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव

भोपाल जीएनएस

निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का कारण बन जाती है। अतः प्रशिक्षण कार्यशाला में अपनी सभी शंकाओं का समुचित समाधान करें और अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने यह बातें उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में कही।

स्थानीय निकाय के निर्वाचन अधिक संवेदनशील :

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निकायों के निर्वाचन तुलनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। निर्वाचन प्रक्रियाओं की नवीनतम तकनीकों को अपनाने के साथ ही इस बात पर विशेष ध्यान दें कि इन तकनीकों पर मतदाताओं का पूरा विश्वास कायम रहे। मतदान की पवित्रता को मतदाता हमेशा याद रखता है।

वेबकास्टिंग करने पर विचार : राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान की प्रक्रिया की वेबकास्टिंग करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम के माध्यम से मतदान एक साथ कराने पर भी गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सहयोगात्मक संघवाद की भावना के अनुरूप किराये पर मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिये ईव्हीएम उपलब्ध करायी गयी हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं। मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों के निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही अन्य कई प्रयोग किये गये हैं।

7 अगस्त से 8 जनवरी तक जनसंवाद, शिकायतों के त्वरित निराकरण और योजनाओं की होगी निगरानी

हर शुक्रवार चलेगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, अधिकारियों को फील्ड में उतरने के निर्देश

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 की शुरुआत 7 अगस्त से होगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और जिला कलेक्टरों को अभियान के सफल संचालन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभियान का उद्देश्य फील्ड भ्रमण, निरीक्षण और जनसंवाद के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी और समय-सीमा में लोक सेवाएं उपलब्ध कराना है।

हर शुक्रवार होगा फील्ड भ्रमण : यह अभियान 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विभागीय, संभागीय या जिला स्तर पर किसी भी प्रकार की ऑनलाइन या ऑफलाइन समीक्षा बैठकें आयोजित नहीं की जाएंगी, ताकि अधिकारी पूरे समय क्षेत्रीय भ्रमण और जनसंपर्क पर ध्यान दे सकें।

सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा विभागाध्यक्षों के लिए प्रत्येक शुक्रवार फील्ड भ्रमण अनिवार्य किया गया है। यदि किसी कारणवश कोई वरिष्ठ अधिकारी भ्रमण नहीं कर पाता है, तो उसे पूर्व सूचना मुख्य सचिव कार्यालय को देनी होगी।

संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी होंगे आधार : मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान को संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी के चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित किया गया है। सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन को मजबूत करना है। सभी अधिकारियों को अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण पर रहेगा फोकस : अभियान के दौरान सभी विभागों को प्रत्येक सप्ताह सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विभागीय और जिला स्तर पर कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा सभी आवेदनों का समय-सीमा में शत-प्रतिशत निराकरण हो।

इसके अलावा संभाग स्तर पर पदस्थ अपर संचालक, संयुक्त संचालक और उप संचालक स्तर के अधिकारियों को भी प्रत्येक शुक्रवार अपने क्षेत्र के जिलों का दौरा कर विभागीय कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सादगी और मितव्ययिता पर रहेगा जोर : अभियान के दौरान अधिकारियों को सादगी और मितव्ययिता अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। भ्रमण के समय वाहनों की संख्या सीमित रखने और अधिकतम वाहन पूलिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है। इस संबंध में सभी विभागों के अधीनस्थ कार्यालयों तथा संभाग एवं जिला स्तर के कार्यालयों को भी आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सफलता की कहानी : पानी बचा, खेती संवरी और आमदनी दोगुनी हुई

खेत तालाब ने चंद्रभान को दिखाई समृद्धि की राह

ग्वालियर, जीएनएस। कभी पानी की कमी के कारण चंद्रभान की खेती मुश्किलों से घिरी रहती थी। अच्छी फसल की आस में कई बार परिवार की उम्मीदें भी सूख जाती थीं। लेकिन प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी ÷खेत तालाब योजना÷ ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी है।

ग्वालियर जिले के विकासखंड भितरवार की ग्राम पंचायत बामरोल निवासी चंद्रभान सिंह रावत के खेतों में कुछ वर्ष पहले तक सिंचाई का कोई स्थायी साधन नहीं था। खेती पूरी तरह बारिश पर निर्भर थी। बारिश कम होने पर फसलें प्रभावित होती थीं और पशुओं के लिए भी पानी जुटाना चुनौती बन जाता था। मेहनत भरपूर होती थी, लेकिन उसका अपेक्षित फल नहीं मिल पाता था।

किसान चंद्रभान की किस्मत बदलने की शुरूआत तब हुई जब उन्हें ÷खेत तालाब योजना÷ के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने इस योजना के तहत अपने खेत पर तालाब का निर्माण कराया। ग्राम पंचायत के सहयोग और स्वयं चंद्रभान सिंह रावत की सक्रिय भागीदारी से यह कार्य पूरा हुआ। मनरेगा के तहत लगभग

1.79 लाख रुपए की लागत से यह तालाब बनकर तैयार हुआ है। तालाब निर्माण में चंद्रभान ने स्वयं काम किया, जिसका उन्हें मेहनताना भी मिला। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई।

अब यही तालाब चंद्रभान की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। वर्षा का पानी खेत तालाब में सुरक्षित रहता है और पूरे साल सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाता है। इस तालाब से चंद्रभान के खेतों की सिंचाई के साथ-साथ आसपास के लगभग आधा दर्जन अन्य किसान परिवारों के मवेशियों को भी पीने के लिये पानी मिल रहा है। इस बदलाव का असर उनकी खेती पर साफ दिखाई देता है। अब वे एक के बजाय दो-दो फसलें ले रहे हैं। साथ ही फसल उत्पादन भी बढ़ गया है।

खेती से उनकी आय लगभग दोगुनी हो गई है। चंद्रभान सिंह रावत कहते हैं, पहले पानी की चिंता हर समय बनी रहती थी। अब खेत तालाब ने यह चिंता दूर कर दी है। मेरी खेती बेहतर हुई है, आमदनी बढ़ी है और भविष्य के प्रति भरोसा भी मजबूत हुआ है।

ग्रामीण अंचल में बन रहे खेत तालाब केवल जल संरचनायें भर नहीं हैं, ग्रामीण समृद्धि के सशक्त प्रतीक बन रहे हैं। खेत तालाब यह दर्शाते हैं कि यदि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर खेती के लिये वर्षा जल का संरक्षण किया जाए तो खेती लाभ का धंधा बन सकती है। चंद्रभान का कहना है कि प्रदेश सरकार की खेत तालाब योजना किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और जल संरक्षण के प्रति जागरूक बना रही है।

भारत की पत्रकारिता के लिये देश से ज्यादा कुछ नहीं

इंदौर, जीएनएस। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरने की जरूरत नहीं है। एआई कभी भी मनुष्य की रचनात्मकता पर हावी नहीं हो सकता है। पत्रकारिता के लिये एआई खतरा नहीं सहयोगी है, बशर्ते उसका सही उपयोग आना चाहिये। समाज आधारित पत्रकारिता आज भी खत्म नहीं हुयी है और यही गुण उसे जिंदा रखे हुए है। आज देश सबसे ऊपर आता है और भारत की पत्रकारिता के लिये भी देश से ज्यादा कुछ नहीं है।

यह बात वरिष्ट पत्रकार श्री राजेश रैना ने कही। आप बुधवार को देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। श्री रैना ने कहा, समय के साथ तकनीकी परिवर्तन आता ही है और हमें उसका सामना करना ही पड़ता है। एआई भी एक तकनीकी परिवर्तन ही है, जिससे हम पीछा नहीं छुड़ा

सकते है। एआई को हमें अपनाते हुए ही आगे बढ़ना होगा। यह कहना गलत ही होगा कि एआई के आने से पत्रकारिता में नौकरियां खत्म हो जाएगा। एआई, पत्रकारिता का सहयोगी होगा, न की खतरा। मनुष्य के पास उसकी अपनी सोच है, उसकी अपनी रचनात्मकता है, जो उसे बनाये रखता है। एआई काम तो कर सकता है, लेकिन वह मनुष्य की तरह रचनात्मक नहीं हो सकता है। आने वाले समय में और ज्यादा विकसित तकनीक आएंगी, जिसको लेकर भी हमें घबराने की जरूरत नहीं है। आपने कहा कि पत्रकारिता अपनी जगह पर है, लेकिन देश से ज्यादा आज कुछ भी नहीं है। सबसे पहले देशहित आता है और उसके बाद पत्रकारिता। भारत की पत्रकारिता की बात करें तो भी यही बात सामने आती है कि देश सबसे ऊपर आता है और उसके बाद पत्रकारिता। भारत की पत्रकारिता देशहित में हमेशा आगे रही।

श्री रैना ने कहा, बाजारवाद का प्रभाव मीडिया पर भी पड़ा, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि समाज आधारित पत्रकारिता खत्म हो गयी है। देश के कई बड़े मुद्दे और स्केम आज भी मीडिया ही सामने ला रही है। पत्रकारिता को समाज से अलग नहीं देखा जा सकता है। आपने कहा कि पत्रकारिता के सामने विश्वसनीयता बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती है, जिसे बनाये रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर श्री रैना ने कहा कि प्रदर्शन वैसे तो लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन जंतर-मंतर के प्रदर्शन पर राजनीति हो गयी, जो गलत है। बात मुद्दे तक होती तो ठीक थी, लेकिन प्रदर्शन पूरी तरह राजनीतिक हो गया।

श्री रैना ने कहा, कश्मीर में तेजी से हालात सुधर रहे है और सरकार पूरी सख्ती से आंतकवाद से निपट रही है। यहां विकास कार्य भी तेजी से हो रहा है, जो अच्छे संकेत दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर के लोग कुछ समय पहले तक पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे, लेकिन आज हालात इसके ठीक उल्टे है। विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी श्री रैना ने दिये।

मध्यप्रदेश कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, सभी विभाग-प्रकोष्ठ भंग

रानू परिहार पत्रकार

भोपाल/नई दिल्ली. मध्यप्रदेश कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव किया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेश के सभी विभागों, प्रकोष्ठों और उनकी समस्त इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है।इस संबंध में मध्यप्रदेश के प्रभारी और विधायक हरीश चौधरी ने 5 अगस्त 2026 को आदेश जारी किया है। यह आदेश एआईसीसी मुख्यालय इंदिरा भवन, ९ए कोटला मार्ग, नई दिल्ली से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि, ÷अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशों एवं संगठनात्मक पुनर्गठन की प्रक्रिया के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत गठित सभी विभागों, प्रकोष्ठों एवं उनकी समस्त स्तर की इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है।÷

हाईकमान तक भेजी गई प्रतिलिपि

इस महत्वपूर्ण आदेश की प्रतिलिपि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को भी भेजी गई है। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, मध्यप्रदेश के सभी प्रभारी सचिव, पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी का कंट्रोल रूम और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का कंट्रोल रूम शामिल है।

बताया जा रहा है कि यह फैसला संगठन को नए सिरे से सक्रिय और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। लंबे समय से प्रदेश में विभागों और प्रकोष्ठों की निष्क्रियता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कई पदाधिकारी संगठन के कार्यक्रमों में सक्रिय नहीं थे, जिसके चलते जमीनी स्तर पर पार्टी को नुकसान हो रहा था।

नई टीम के गठन की तैयारी

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान मध्यप्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को पूरी तरह से रीसेट करना चाहता है। सभी इकाइयों को भंग करने के बाद अब नए सिरे से नियुक्तियां की जाएंगी। इसमें युवाओं, महिलाओं, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के चेहरों को ज्यादा तरजीह दिए जाने की संभावना है। साथ ही निष्क्रिय पदाधिकारियों की जगह सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी हरीश चौधरी लगातार जिलों का दौरा कर संगठन की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा में यह बात सामने आई कि कई विभाग तो सिर्फ कागजों पर ही चल रहे हैं। इसके बाद ही यह कठोर फैसला लिया गया है।

राजनीतिक मायने

कांग्रेस के इस फैसले के सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। भाजपा सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस अब एक नए और ऊर्जावान संगठन के साथ मैदान में उतरना चाहती है। माना जा रहा है कि अगले 15 से 30 दिनों के भीतर नई कार्यकारिणी, नए विभागाध्यक्षों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी।

दिव्यांग सहायता शिविर में 48 दिव्यांग आए 20 लोगों को सहायता उपकरण उपलब्ध कराए गए जबकि 28 लोगों को उपकरण के लिए चिन्हित किया गया,,,,,,

पोरसा। शासन के आदेश पर जिलाधीश मुरैना की निर्देशन में सहयोगी संस्था एल एम को ,,एस आर ट्रस्ट के द्वारा व सेवा भारती मुरैना के सहयोग से आज जनपद पंचायत पोरसा के सभागार में नगर पालिका क्षेत्र एवं जनपद पंचायत के क्षेत्र के विकलांग दिव्यांग लोगों के लिए निशुल्क दिव्यांग सहायता सिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगातार हो रही बारिश के बाबजूद 48 लोग आए जिसमें 48 लोगों में से 20 लोगों को कृत्रिम उपकरण तुरंत बनाकर दिए गए,शेष 28 लोगों को उपकरण के लिए चिन्हित किया गया इनको शीघ्र ही उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे इस शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुनीता शर्मा ,,,पूर्व पार्षद एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अशोक सिंह तोमर,,,नरेंद्र कुमार जबलपुर,, अविनाश सिंह तोमर शेवा भारती से ,,,जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से मनीष शर्मा,,, हेमलता कनौजिया,, पवन तिवारी,,, पूनम शर्मा आदि।

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में मप्र कांग्रेस की संगठनात्मक समीक्षा बैठक, जीतू पटवारी ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली/भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आज नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में एक महत्वपूर्ण और विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीति पर गहन मंथन किया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने जिलों की जमीनी हकीकत और संगठनात्मक चुनौतियों से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया। इस अहम बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ नेशनल वॉर रूम के चेयरमैन शशिकांत सेंथिल, संगठन सृजन अभियान के प्रभारी वंशी चंद रेड्डी, सह प्रभारी उषा नायडू और रणविजय लोचव भी उपस्थित रहे।

फसल बीमा कराने की तिथि बढ़ी, अब 17 अगस्त तक कराया जा सकता है बीमा

ग्वालियर, जीएनएस। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसल का बीमा कराने की तिथि राज्य शासन द्वारा बढ़ा दी गई है। अब किसान भाई 17 अगस्त तक अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र फसल बीमा कराएं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के मैदानी अधिकारियों को जिले के अधिकाधिक किसानों की फसलों का बीमा कराने लिये जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। इस क्रम में बुधवार को दो प्रचार-प्रसार रथ ग्रामीण क्षेत्रों के लिये रवाना किए गए। यह रथ एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से तैयार कराए गए हैं।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि ऋणी एवं गैर ऋणी कृषकगण अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकें, इसके लिये नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल (एनसीआईपी) खोल दिया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से ऋणी कृषकों की फसलों का बीमा उन बैंक शाखाओं द्वारा किया जायेगा, जिनमें उनके केसीसी खाते संचालित हैं। गैर ऋणी कृषक अपनी फसल का बीमा किसी भी नजदीकी बैंक शाखा, प्राथमिक कृषि साख समिति, कॉमन सर्विस सेंटर अथवा पीएमएफबवाय पोर्टल पर मोबाइल एप के माध्यम से कर सकते हैं। ग्वालियर जिले में ÷एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया÷ द्वारा फसल बीमा किया जा रहा है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसलों के लिए किसानों को केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होता है, जबकि शेष प्रीमियम का वहन केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

विस्तृत जानकारी के लिये किसान भाई यहां करें संपर्क

योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी, निकटतम कृषि कार्यालय अथवा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

ज्ञात हो प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, सूखा, अतिवृष्टि, जलभराव तथा प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों को होने वाले नुकसान से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा किसानों के लिए एक प्रभावी सुरक्षा कवच है।

हर शुक्रवार को लगाए जायेंगे जन-विश्वास शिविर, शिविर स्थल निर्धारित

ग्वालियर जिले में 'मुख्यमंत्री जन–विश्वास अभियान' के तहत लगेंगे 19 जिला स्तरीय व 196 क्लस्टर स्तरीय शिविर

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर जिले में ÷मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान÷ के तहत 7 अगस्त से 8 जनवरी तक आयोजित होने वाले जन-विश्वास शिविरों के स्थल निर्धारित कर दिए गए हैं। अभियान के तहत जिला स्तरीय शिविरों के साथ-साथ प्रत्येक विकासखंड में क्लस्टर स्तरीय शिविर भी लगाए जायेंगे। हर माह प्रत्येक शुक्रवार को इन शिविरों का आयोजन होगा। जिले में अभियान के दौरान 19 जिला स्तरीय व 196 क्लस्टर स्तरीय जन-विश्वास शिविर लगेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले में भी जनता से सीधा संवाद व जुड़ाव स्थापित करने और समस्याओं का शतप्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित होने जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिविरों की तिथि व स्थल निर्धारित करने के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारियां भी तय कर दी हैं। साथ ही शिविरों में आयोजित होने वाली गतिविधियों को प्रभावी ढंग से मूर्तरूप देने के लिये स्पष्ट दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। जिला स्तरीय शिविर में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं क्लस्टर स्तरीय शिविर में खंड स्तरीय अधिकारी अनिवार्यतः मौजूद रहेंगे। नगर निगम क्षेत्र में शिविरों के आयोजन के लिये आयुक्त नगर निगम को नोडल अधिकारी व अपर आयुक्त नगर निगम को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह विकासखंड स्तरीय शिविर के लिये संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को नोडल अधिकारी व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। नगर पंचायत व नगर पालिका क्षेत्र के शिविरों के आयोजन के लिये संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को नोडल अधिकारी व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्वालियर जिले का पहला जिला स्तरीय शिविर शुक्रवार 7 अगस्त को घाटीगांव में आयोजित होगा। इस शिविर में घाटीगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत धुंआ, सिरसा, महारामपुर, रेंहट, चराई श्यामपुर, चैत, पार, हुकुमगढ़, सिमिरियाटांका व घाटीगांव ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन लाभान्वित होंगे।

यहां लगेंगे क्लस्टर स्तरीय शिविर

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार 7 अगस्त को जिले के प्रत्येक नगरीय निकाय व विकासखंड में क्लस्टर स्तरीय शिविर लगाए जायेंगे। इस दिन नगर निगम ग्वालियर में भी शिविर लगेगा।

विकासखंड भितरवार के अंतर्गत स्कूल प्रांगण अमरौल में शिविर लगेगा। इस शिविर में ग्राम पंचायत सिकरौदा, कछौआ, झांकरी, अमरौल, किशनपुर, ऐराया व बड़ेराभारस ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन लाभान्वित कराए जायेंगे।

इसी तरह विकासखंड डबरा के अंतर्गत स्कूल प्रांगण छीमक में इस दिन क्लस्टर स्तरीय शिविर लगेगा। जिसमें ग्राम पंचायत छीमक, छोटी अकबई, देवरा, गोबरा, खेड़ी रायमल, कोसा, रजियावर, सिरसा, सालवई, भैंसनारी, बीजकपुर, लोहगढ़, बारौल, चितावनी, चौमो, खड़बई व महाराजपुर ग्राम पंचायत के ग्रामीण जनों को लाभ मिलेगा।

विकासखंड मुरार के अंतर्गत शुक्रवार 7 अगस्त को स्कूल प्रांगण उटीला में क्लस्टर स्तरीय जन-विश्वास शिविर लगाया जायेगा। जिसमें ग्राम पंचायत सौसा, बधौली, बहांगीखुर्द, अर्रोली, टांकोली, टिहोली, भटपुरासानी, काछीपुर, बड़ेराफुटकर व गुर्री ग्राम पंचायत के निवासियों को लाभान्वित कराया जायेगा।

औद्योगिक एवं निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों के प्रभावी पालन के लिये 'श्रम प्रहरी' पहल

कलेक्टर ने दिए ÷श्रम प्रहरी÷ पहल का प्रभावी क्रियान्यन करने के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। जिले में औद्योगिक एवं निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य शासन के श्रम विभाग द्वारा प्रारंभ की गई ÷श्रम प्रहरी÷ पहल का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही जिले के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

कलेक्टर ने श्रम विभाग, औद्योगिक सुरक्षा से जुड़े विभागों एवं स्थानीय प्रशासन को समन्वित रूप से कार्य करते हुए असुरक्षित एवं अपंजीकृत गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने, प्राप्त शिकायतों का त्वरित परीक्षण करने तथा श्रमिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन के श्रम विभाग द्वारा औद्योगिक एवं निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने तथा श्रमिकों, स्थानीय समुदाय एवं पर्यावरण की सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ÷श्रम प्रहरी÷ पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों की सहभागिता से ऐसे औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की जाएगी, जहाँ बिना पंजीकरण गतिविधियाँ संचालित हो रही हों अथवा सुरक्षा संबंधी गंभीर अनियमितताएँ पाई जा रही हों। सहायक श्रम आयुक्त सुश्री नम्रता सोनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार यदि किसी नागरिक को औद्योगिक अथवा निर्माण गतिविधियों में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन, अपंजीकृत संचालन अथवा अन्य गंभीर अनियमितताओं की जानकारी प्राप्त होती है, तो वे इसकी सूचना श्रम विभाग के टोल-फ्री नंबर 1800-233-8888 अथवा ई-मेल ष्थ्द्वद्वद्यड्डइ्व्रठ्ठद्बष्.द्वठ्ठ पर उपलब्ध करा सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान, उसकी इच्छा होने पर, पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। प्राप्त प्रत्येक सूचना का नियमानुसार सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई 10 कार्य दिवस के भीतर सुनिश्चित की जाएगी।

श्रम विभाग का उद्देश्य प्रदेश के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना, अपंजीकृत एवं असुरक्षित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा श्रमिकों के जीवन एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करना है। यह पहल सुरक्षित कार्यस्थलों के निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता को भी सुदृढ़ करेगी। जिला प्रशासन ने ग्वालियर जिले के नागरिकों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, निर्माण एजेंसियों, श्रमिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे ÷श्रम प्रहरी÷ अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए किसी भी प्रकार की सुरक्षा संबंधी अनियमितता की सूचना समय पर उपलब्ध कराएँ।

थाना मेहगांव पुलिस ने हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को 24 घण्टे मे किया गिरफ्तार

रात्रि में करु उर्फ वेदप्रकाश निवासी कौहार ने घायल अवस्थआ में ट्रामा सीएचसी मेहगांव मे मौखिक रुप से रिपोर्ट की थी कि पेट्रोल डीजल के उधार पैसे मांगने को लेकर कौहार के आरोपी के साथ उसका झगडा हुआ था जिस पर आरोपी तथा उसके भाई ने उसे जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर कट्टे से फायर कर दिया था जिस पर थाना मेहगांव में अप. क्र0 215/26 धारा 109 (1), 296 (बी), 3 (5) बीएनएस का पंजीबद होकर विवेचना में लिया गया

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड श्री सूरज कुमार वर्मा (भा.पु.से.), श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रदीप पटेल जी के निर्देशन में तथा श्रीमान स्ङ्खह्रक्क महोदय मेहगांव श्री संजय कोच्छा के मार्गदर्शन में थाना मेहगांव पुलिस के व्दारा हत्या का प्रयास करने वाले फरार आरोपी को गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। दिनांक 04.08.26 को मुखबिर सूचना पर मौ रोड कौहार गांव के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार किया और आरोपी से घटना में प्रयुक्त एक 315 बोर कट्टा, चले हुये कारतूस का खाली खोका बरामद किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। सराहनीय भूमिका -निरी0 रविन्द्र शर्मा थाना प्रभारी मेहगांव, उनि0 विवेक शर्मा, प्रआर0 544 प्रदीप पचौरी, प्रआर0 117 सतेन्द्र शर्मा, प्रआर0 204 शिवबीर सिंह, आर0 560 सामंत सिंह तोमर, आर0 518 मातवर, आर0 338 दिनेश मुगल, 130 रामखिलाडी, 1312 हेमन्त, आर0 1006 पंकज सिंह जादौन, आर0 08 उदयभान सिंह तोमर की अहम भूमिका रही है।

अपना दल (एस) के क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेंद्र पटेल का जन्मदिन केक काटकर श्रद्धा, सेवा एवं सामाजिक समरसता के साथ मनाया गया,कार्यकर्त्ताओं ने मिठाई खिलाकर दी शुभकामनाएँ

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। अपना दल (एस) के क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेंद्र पटेल का जन्मदिन चार अगस्त मंगलवार को बनारस स्टेशन के सामने स्थित भगवान अवधूत राम आश्रम में श्रद्धा,सेवा एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 7 इस अवसर पर कार्यकर्ताओं,पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने केक काटकर जन्मोत्सव मनाया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर नरेंद्र

पटेल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं 7 सभी ने उनके स्वस्थ,दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए संगठन और समाज के प्रति उनके समर्पित योगदान की सराहना की 7

कार्यक्रम के दौरान आश्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों के बीच प्रसाद एवं मिष्ठान का वितरण किया गया 7 इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नरेंद्र पटेल संगठन के एक कर्मठ,सक्रिय एवं जनप्रिय नेता हैं जो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर जनहित एवं संगठन हित के कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं उनके नेतृत्व में संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्यों को नई दिशा एवं गति मिल रही है 7इस अवसर पर अपना दल (एस) के वरिष्ठ नेता अभिमन्यु सिंह,चंचल मिश्र,संतोष वर्मा,शुभम केशरी,सुनील बिंद,कुंदन, किशन,रोहित पांडेय,मनोज,मनीष,अजय पटेल,संदीप पटेल,राहुल,उत्ताम,सत्यम यादव,सूरज,अनीस,आशुतोष प्रजापति, गौरव,विक्रम सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता,समर्थक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

सड़कें विकास की पहचान हैं, मौत का गलियारा नहीं

देश में राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल लगातार फैल रहा है। आधुनिक एक्सप्रेस-वे, चौड़ी सड़कें और तेज रफ्तार यातायात आर्थिक प्रगति के प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन यदि यही सड़कें हर दिन हजारों परिवारों के लिए शोक का कारण बन जाएं, तो यह विकास अधूरा और चिंताजनक प्रतीत होता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के हालिया आंकड़े इसी कठोर सच्चाई की ओर संकेत करते हैं। वर्ष 2026 के केवल सात महीनों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 77 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें लगभग 33 हजार लोगों की मृत्यु हुई और लगभग 90 हजार लोग घायल हुए। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हजारों बिखरे परिवारों, अनाथ हुए बच्चों और अधूरे सपनों की कहानी हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि यदि यही रफ्तार बनी रही तो वर्ष के अंत तक दुर्घटनाओं का आंकड़ा पिछले वर्षों के बराबर या उससे भी अधिक हो सकता है।

चिंता का विषय यह भी है कि पिछले पांच वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका अर्थ है कि सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं। सरकार ने सड़क निर्माण की गति तो बढ़ाई है, लेकिन सड़क सुरक्षा उसी अनुपात में मजबूत नहीं हो सकी है। रिपोर्ट का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि दुर्घटनाओं के सबसे अधिक शिकार 25 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा हैं। यही वर्ग देश की सबसे बड़ी कार्यशक्ति है। जब युवा जीवन असमय समाप्त होते हैं तो उसका प्रभाव केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और सामाजिक संरचना पर भी पड़ता है। वहीं मृत्यु के मामलों में 45 से 60 वर्ष आयु वर्ग की संख्या अधिक होना यह बताता है कि सड़क दुर्घटनाएं किसी एक वर्ग की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की चुनौती बन चुकी हैं।

दुर्घटनाओं के पीछे केवल तेज गति ही जिम्मेदार नहीं है। लापरवाही से वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग, नशे में ड्राइविंग, थकान के बावजूद लंबी दूरी तय करना, सीट बेल्ट और हेलमेट की अनदेखी, ओवरलोडिंग तथा यातायात नियमों की अवहेलना जैसे अनेक कारण मिलकर इस संकट को और गंभीर बना रहे हैं। कई स्थानों पर सड़क डिजाइन की खामियां, अपर्याप्त संकेतक, खराब रोशनी और समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलना भी मौतों की संख्या बढ़ा देता है। सरकार ने दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरू की है, जो निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि हजारों दावों के निपटारे में अभी भी देरी हो रही है। दुर्घटना के बाद हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। इसलिए केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

सड़क सुरक्षा को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भी उचित नहीं होगा। इसमें सरकार, प्रशासन, वाहन निर्माता कंपनियां, परिवहन संस्थाएं और आम नागरिक–सभी की समान भागीदारी आवश्यक है। स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक सड़क सुरक्षा को व्यवहारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया अधिक कठोर हो, यातायात नियमों का निष्पक्ष पालन कराया जाए, ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर उनका तत्काल सुधार किया जाए तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के माध्यम से गति नियंत्रण और निगरानी को और प्रभावी बनाया जाए। भारत ने सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

वातानुकूलन की दौड़ और पृथ्वी का भविष्य

डॉ विजय गर्ग

गर्मी का मौसम आते ही एयर कंडीशनर (एसी) आज एक विलासिता नहीं, बल्कि कई लोगों के लिए आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते तापमान, शहरीकरण और जीवनशैली में आए बदलावों ने वातानुकूलन उपकरणों की मांग को अभूतपूर्व गति दी है। घरों, कार्यालयों, विद्यालयों, अस्पतालों, मॉल और वाहनों तक में एसी का उपयोग सामान्य हो गया है। लेकिन जिस तकनीक से हमें कुछ समय के लिए राहत मिलती है, वही तकनीक यदि अनियंत्रित रूप से फैलती रही तो पृथ्वी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

बढ़ती गर्मी और बढ़ती एसी की मांग

पिछले कुछ दशकों में वैश्विक तापमान लगातार बढ़ा है। हीट वेव की घटनाएँ अधिक बार और अधिक तीव्र हो रही हैं। ऐसे में लोग स्वाभाविक रूप से एसी की ओर आकर्षित होते हैं। दूसरी ओर, एसी का अधिक उपयोग बिजली की मांग बढ़ाता है। यदि यह बिजली कोयला, तेल या गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से उत्पन्न होती है, तो कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन भी बढ़ता है। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन और तेज होता है, जिससे गर्मी और बढ़ती है। इस प्रकार एक दुष्चक्र बन जाता है–गर्मी बढ़ती है, एसी का उपयोग बढ़ता है, ऊर्जा की खपत बढ़ती है और फिर पृथ्वी और अधिक गर्म हो जाती है।

ऊर्जा की बढ़ती चुनौती

एयर कंडीशनर सबसे अधिक बिजली खपत करने वाले घरेलू उपकरणों में शामिल हैं। जैसे-जैसे विकासशील देशों में लोगों की आय बढ़ रही है, वैसे-वैसे एसी की पहुँच भी बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में करोड़ों नए एसी उपयोग में आएंगे। यदि ऊर्जा उत्पादन का स्वरूप स्वच्छ नहीं हुआ, तो बिजली उत्पादन के लिए अधिक जीवाश्म ईंधन जलाने पड़ेंगे, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और बढ़ेगा।

रेफ्रिजरेंट गैसों का प्रभाव

एसी में उपयोग होने वाली रेफ्रिजरेंट गैसें भी पर्यावरण के लिए चिंता का विषय हैं। पुराने समय में प्रयुक्त कुछ गैसों ने ओज़ोन परत को नुकसान पहुँचाया। बाद में नई गैसें विकसित की गईं, लेकिन उनमें से कई का ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल बहुत अधिक है। यदि इन गैसों का रिसाव होता है, तो वे वातावरण में पहुँचकर जलवायु परिवर्तन को तेज कर सकती हैं।

इसलिए केवल ऊर्जा दक्षता ही नहीं, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल रेफ्रिजरेंट का उपयोग भी अत्यंत आवश्यक है।

शहरीकरण और हीट आइलैंड प्रभाव

बड़े शहरों में कंक्रीट की इमारतें, डामर की सड़कें और हरित क्षेत्र की कमी के कारण तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक होता है। इसे ÷अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव÷ कहा जाता है। एसी के बाहरी यूनिट गर्म हवा बाहर छोड़ते हैं, जिससे आसपास का तापमान और बढ़ जाता है। इस प्रकार शहरों में एसी की अधिकता स्वयं गर्मी बढ़ाने में योगदान देती है।

सामाजिक असमानता का नया रूप

वातानुकूलन केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक प्रश्न भी बनता जा रहा है। जो लोग एसी खरीद सकते हैं, उन्हें गर्मी से राहत मिल जाती है, जबकि गरीब और कमजोर वर्ग भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर रहते हैं। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव अक्सर उन्हीं लोगों पर पड़ता है, जिनका इसमें सबसे कम योगदान होता है।

क्या समाधान केवल एसी है?

गर्मी से बचने का एकमात्र उपाय एसी नहीं हो सकता। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला में प्राकृतिक वेंटिलेशन, मोटी दीवारें, ऊँची छतें, आँगन, पेड़-पौधे और छायादार निर्माण जैसी अनेक तकनीकें थीं, जो बिना अधिक ऊर्जा खर्च किए घरों को अपेक्षाकृत ठंडा रखती थीं।

आज आवश्यकता है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। हरित भवन (ग्रीन बिल्डिंग), बेहतर इन्सुलेशन, परावर्तक (कूल) छतें, वर्षा जल संरक्षण, शहरी वृक्षारोपण और प्राकृतिक वायु प्रवाह पर आधारित डिज़ाइन भविष्य के टिकाऊ समाधान हो सकते हैं।

ऊर्जा दक्षता पर जोर : यदि एसी का उपयोग आवश्यक है, तो ऊर्जा दक्ष मॉडल चुनना चाहिए। उच्च स्टार रेटिंग वाले उपकरण कम बिजली खर्च करते हैं। नियमित रखरखाव, उचित तापमान (24ङ्क26 डिग्री सेल्सियस), कमरे का अच्छा इन्सुलेशन और अनावश्यक उपयोग से बचना ऊर्जा बचाने के प्रभावी उपाय हैं। सौर ऊर्जा के साथ एसी का उपयोग भी भविष्य का एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है, जिससे बिजली उत्पादन में जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होगी।

नीति और उद्योग की भूमिका

सरकारों को ऊर्जा दक्ष उपकरणों को बढ़ावा देना चाहिए, स्वच्छ ऊर्जा में निवेश बढ़ाना चाहिए और पर्यावरण-अनुकूल रेफ्रिजरेंट अपनाने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। भवन निर्माण मानकों में प्राकृतिक शीतलन तकनीकों को शामिल करना भी समय की आवश्यकता है। उद्योग जगत को भी ऐसे एसी विकसित करने चाहिए जो कम ऊर्जा खर्च करें, कम प्रदूषण फैलाएँ और पर्यावरण के अनुकूल गैसों का उपयोग करें।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी

हर नागरिक अपनी भूमिका निभा सकता है। अनावश्यक रूप से एसी का उपयोग न करना, तापमान बहुत कम न रखना, पेड़ लगाना, बिजली की बचत करना और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना छोटे-छोटे कदम हैं, जिनका सामूहिक प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। वातानुकूलन आधुनिक जीवन की एक महत्वपूर्ण सुविधा है, लेकिन इसका अंधाधुंध विस्तार पृथ्वी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हमें ऐसी विकास यात्रा चुननी होगी जिसमें आराम और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे। यदि आज हमने ऊर्जा दक्षता, हरित भवन, स्वच्छ ऊर्जा और जिम्मेदार उपभोग को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और रहने योग्य पृथ्वी मिल सकेगी। अन्यथा, जिस ठंडक की तलाश में हम एसी चला रहे हैं, वही हमारी धरती को लगातार और अधिक गर्म करती जाएगी। पृथ्वी का भविष्य केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि इस बात पर निर्भर करेगा कि हम उसका उपयोग कितनी समझदारी और जिम्मेदारी से करते हैं।

वृक्षों के संरक्षण से ही सुरक्षित होगा मानव सभ्यता का भविष्य

डॉ विजय गर्ग

धरती पर जीवन की कल्पना पेड़ों के बिना नहीं की जा सकती। यदि प्रकृति ने मनुष्य को सबसे अनमोल उपहार दिया है, तो वह वृक्ष हैं। वे न केवल हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि भोजन, औषधि, जल संरक्षण, जलवायु संतुलन, जैव विविधता और आर्थिक समृद्धि का आधार भी हैं। यही कारण है कि कहा जाता है–÷एक पेड़, एक ज़िंदगी।÷ यह केवल एक प्रेरक नारा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टि से पूर्ण सत्य है। एक पेड़ अनगिनत जीवों का घर होता है और हजारों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इन समस्याओं का एक महत्वपूर्ण कारण अंधाधुंध वनों की कटाई और हरित क्षेत्र का लगातार कम होना है। विकास की दौड़ में हमने सड़कों, भवनों और उद्योगों के लिए लाखों पेड़ों को काट दिया, लेकिन उतनी गंभीरता से नए वृक्ष नहीं लगाए। इसका परिणाम यह हुआ कि मौसम का संतुलन बिगड़ने लगा, वर्षा का स्वरूप बदल गया, गर्मी की तीव्रता बढ़ गई और अनेक जीव-जंतु विलुप्ति के कगार पर पहुँच गए।

वृक्ष- पृथ्वी के प्राकृतिक फेफड़े

पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करके ऑक्सीजन छोड़ते हैं। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाती है। एक स्वस्थ वृक्ष अपने पूरे जीवनकाल में बड़ी मात्रा में कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करता है, जिससे वैश्विक तापवृद्धि की गति धीमी होती है। यही कारण है कि वैज्ञानिक वृक्षारोपण को जलवायु परिवर्तन से लड़ने का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय मानते हैं।

शहरों में जहाँ पेड़ों की संख्या अधिक होती है, वहाँ तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है। पेड़ धूल और हानिकारक गैसों को अवशोषित करके वायु को शुद्ध बनाते हैं। उनकी छाया सड़क और भवनों के तापमान को कम करती है, जिससे ऊर्जा की खपत भी घटती है।

जल संरक्षण में वृक्षों की भूमिका

कहा जाता है कि जहाँ जंगल हैं, वहाँ जल है। वृक्ष वर्षा के जल को भूमि में समाने में सहायता करते हैं। उनकी जड़ें मिट्टी को मजबूती देती हैं और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद करती हैं। यदि पहाड़ों और नदी किनारों से पेड़ समाप्त हो जाएँ, तो बाढ़, भूस्खलन और सूखे जैसी समस्याएँ बढ़ जाती हैं।

भारत के अनेक क्षेत्रों में जल संकट का एक बड़ा कारण हरित आवरण का कम होना है। इसलिए वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जल सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण उपाय है।

जैव विविधता के रक्षक

एक पेड़ अपने आप में एक जीवंत संसार है। पक्षी, गिलहरियाँ, मधुमक्खियाँ, तितलियाँ, कीट और अनेक छोटे-बड़े जीव उसी पर आश्रित रहते हैं। यदि पेड़ समाप्त हो जाएँ तो केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो जाता है। मधुमक्खियों और अन्य परागण करने वाले जीवों के बिना कृषि उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है।

मानव स्वास्थ्य और वृक्ष

पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। शोध बताते हैं कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में तनाव कम होता है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। अस्पतालों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए वृक्ष वातावरण को अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बनाते हैं।

नीम, पीपल, अर्जुन, आँवला, अशोक और तुलसी जैसे अनेक वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर हैं। आयुर्वेद सहित अनेक पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ वृक्षों और वनस्पतियों पर आधारित हैं।

भारतीय संस्कृति में वृक्षों का स्थान

भारतीय सभ्यता ने सदैव प्रकृति को सम्मान दिया है। पीपल, बरगद, नीम, बेल, तुलसी और वट वृक्षों की पूजा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का एक सामाजिक माध्यम भी रही है। हमारे त्योहारों, लोकगीतों और साहित्य में वृक्षों को जीवनदाता के रूप में सम्मान मिला है।

बिश्नोई समाज द्वारा वृक्षों की रक्षा के लिए दिया गया बलिदान तथा उत्तराखंड का चिपको आंदोलन यह संदेश देते हैं कि वृक्षों की रक्षा केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न है।

विकास और पर्यावरण का संतुलन

विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति को नष्ट कर दे, अंततः मानव के लिए ही विनाशकारी सिद्ध होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक विकास परियोजना के साथ बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और हरित क्षेत्र का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। ÷एक पेड़ काटो तो दस पेड़ लगाओ÷ केवल नियम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी बननी चाहिए।

प्रत्येक नागरिक की भूमिका

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

- हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाएँ और उसकी देखभाल करें।
- जन्मदिन, विवाह, वर्षगाँठ और अन्य अवसरों पर पौधारोपण करें।
- बच्चों को पेड़ों का महत्व समझाएँ।
- स्थानीय प्रजातियों के वृक्ष लगाएँ ताकि वे आसानी से विकसित हो सकें।
- अनावश्यक पेड़ों की कटाई का विरोध करें।
- विद्यालयों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं में नियमित वृक्षारोपण अभियान चलाएँ।

गुरुग्राम जिला टीम गठित, -महात्मा ज्योतिबा फुले पार्क निर्माण के लिए -मुख्यमंत्री से मिलेंगे

प्राण शर्मा

गुड़गांव। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा की एक महत्वपूर्ण बैठक आज गुरुग्राम के झाड़सा गाँव स्थित सैनी भवन में आयोजित हुई।

आज की इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सैनी ने की ।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन गुरुग्राम जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने किया ।

इस बैठक में गुरुग्राम जिले की नई जिला टीम का गठन भी सर्वसम्मति से हुआ।

इस विषय मे सर्वसम्मति से लिए गए एक निर्णय के अनुसार -

विक्रम सैनी को गुरुग्राम हल्का प्रधान,

कौशल सैनी को पटौदी हल्का प्रधान

और एडवोकेट दुष्यंत सैनी को बादशाहपुर हल्का प्रधान नियुक्त किया गया है।

बलदेव सैनी को जिला उपाध्यक्ष, अशोक सैनी को जिला महासचिव बनाया गया है।

इसके साथ ही महेश सैनी और धर्मपाल सैनी को भी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सैनी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा है कि समाज की एकता और मजबूती के लिए सभी पदाधिकारी तन-मन-धन से कार्य करेंगे।

उन्होंने सैनी भवन के नव-निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की और समाज बंधुओं को बधाई भी दी। इस बैठक का एक और प्रमुख विषय महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर बनने वाले पार्क का मुद्दा भी रहा।

इस विषय मे सभी पदाधिकारियों ने एकमत से यह निर्णय लिया कि इस पार्क को भव्य रूप से बनाया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही हरियाणा के मुख्यमंत्री से समय लेकर मुलाकात की भी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महापुरुषों के नाम पर बने स्थल हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। इस बैठक में समाज में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे गांव-गांव जाकर समाज संगठन को मजबूत करेंगे। जसवीर सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय सैनी सभा हमेशा समाज के मान-सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

इस बैठक में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, युवा और महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस कार्यक्रम के अंत में सभी मिल जुलकर ने समाज हित में एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 130 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हुई जन-सुनवाई में 130 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एडीएम श्री सी बी प्रसाद व अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया।

जन-सुनवाई में कुल 130 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 72 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही शेष 58 आवेदन विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये आवश्यक टीप के साथ दिए गए।

30 दिन बाद भी सूचना नहीं मिलने पर कलेक्टर को दिया आवेदन

शिवपुरी, जीएनएस।

अधिवक्ता रमेश मिश्रा ने सूचना का अधिकार (ऋद्धृ) अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई जानकारी निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध न कराए जाने पर कलेक्टर शिवपुरी को आवेदन प्रस्तुत किया है।

आवेदन में कहा गया है कि उन्होंने 29 जून 2026 को सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(1) के अंतर्गत सूचना के लिए आवेदन किया था। अधिनियम के अनुसार 30 दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध कराई जानी चाहिए, लेकिन निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई उत्तर या सूचना प्राप्त नहीं हुई।

इसलिए उन्होंने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश देकर मांगी गई सूचना उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, सूचना उपलब्ध न कराने की स्थिति में सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आगे अपील करने की अनुमति प्रदान की जाए।

आवेदन की एक प्रति मुख्य सूचना आयुक्त, राज्य सूचना आयोग, भोपाल को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

मथुरा के लाल व्योम चौधरी ने बनाया एक और रिकार्ड

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

मथुरा। जहाँ 2 वर्ष की उम्र में बच्चे ठीक से दूध भी पीना नहीं जानते, वे आस-पास बस माता-पिता को ही पहचानते हैं। वहीं मथुरा के व्योम चौधरी ने ऐसा कमाल कर दिया कि उसका नाम ÷वर्ल्ड एक्सीलेंस वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्डस÷ में दर्ज हो गया। जब इसकी रिकार्डिंग रिकार्ड कम्पनी को भेजी तो उनका कहना था कि इतनी सी उम्र में इतनी चीजें जानना वाह कमाल है और तुरंत अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। व्योम चौधरी को मात्र 02 वर्ष की उम्र में पालतू पशु, जंगली पशु, पानी में रहने वाले जीव और सब्जियों के नाम शरीर के अंगो के नाम, सभी राष्ट्रीय चिन्ह, अपनी सभी ज्ञानेन्द्रियों का भी पूर्ण ज्ञान है।बताते चलें कि व्योम ने कुछ

माह पूर्व ही अपना नाम लंदन बुक रिकार्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया था। ज्ञात हो कि कृष्णा नगर निवासी व्योम चौधरी भारत की प्रथम बालिका मैमोरी गर्ल प्रेरणा शर्मा के सुपुत्र हैं।साथ ही वे मथुरा की प्रख्यात साहित्यकार श्रीमती ऊषा शर्मा ÷प्रिया÷ के दौहित्र है।उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि माता-पिता के सभी गुण बच्चों में भी आते है।

सिसोदिया कॉलोनी में देर रात आतिशबाजी से दहशत

गुना, जीएनएस।

शहर की सिसोदिया कॉलोनी सुमन टेंट हाउस वाली गली में देर रात असामाजिक तत्वों द्वारा की जा रही भारी आतिशबाजी से रहवासी बुरी तरह दहशत में हैं। दो दिनों से लगातार रात के दो बजे के बाद हो रहे इस उपद्रव के खिलाफ मंगलवार को कॉलोनीवासियों ने लामबंद होकर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी को एक शिकायती आवेदन सौंपा है। आवेदन में रहवासियों ने बताया कि 3 और 4 अगस्त की मध्यरात्रि 2 बजे के आसपास अज्ञात युवकों द्वारा 50 से अधिक शॉट वाली तेज

आतिशबाजी चलाई गई। अचानक हुए इस भारी धमाके से पूरी कॉलोनी घबरा गई। निवासियों का कहना है कि कॉलोनी में पास-पास मकान हैं और गैस पाइपलाइन भी निकली हुई है, जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता था। मना करने के बावजूद अगले दिन फिर वही घटना दोहराई गई। कॉलोनीवासियों के अनुसार, यह कृत्य करने वाले लोग आसपास के ही किराएदार प्रतीत हो रहे हैं, जिनकी हरकतें पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में साफ कैद हुई हैं। शिकायती आवेदन पत्र सौंपने वालों में कैलाश नारायण, चंद्रशेखर खान, गणेश सहित समस्त सिसोदिया कॉलोनी निवासी शामिल रहे। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

रेलवे ट्रैक किनारे मोबाइल पर बात करते समय हादसा- दो ट्रेनों की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत, परिवार में मातम

गुना, जीएनएस।

शहर के कैंट थानांतर्गत सिंगवासा क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दुखद हादसा सामने आया है, जहां मोबाइल पर बात करते समय ट्रेन की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और जीआरपी की टीम ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शिवपुरी जिले के कोलारस ग्राम डांगोरा का मूल निवासी 24 वर्षीय सुरेंद्र प्रजापति पुत्र चंपालाल प्रजापति पिछले 3-4 सालों से अपने परिवार के साथ गुना की चौरसिया कॉलोनी में रह रहा था। वह शहर में सब्जी का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मंगलवार सुबह वह सिंगवासा इलाके में टहलने निकला था।

प्रत्यक्षदर्शियों व पुलिस के अनुसार, सुरेंद्र रेलवे ट्रैक के पास मोबाइल पर बातचीत में मग्न होकर चल रहा था। इसी दौरान पटरियों पर लगभग एक साथ दो ट्रेनें आ गईं। ट्रेनों के तेज झोंके और चपेट में आने से सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा और उसने दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाने वाले युवा बेटे की इस तरह अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरी कॉलोनी में शोक की लहर फैल गई है।

ग्वालियर व्यापार मेले में किशोर कुमार को सुरमयी श्रद्धांजलि, गूंजे सदाबहार गीत

ग्वालियर व्यापार मेले में सुरों के सरताज किशोर कुमार को सुरमयी श्रद्धांजलि

ग्वालियर, जीएनएस।

स्वर सम्राट एवं महान पार्श्व गायक किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर मंगलवार को श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला परिसर सुरों, स्मृतियों और भावनाओं से सराबोर हो उठा। अंश खेल शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कलाकारों ने किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही प्रसिद्ध गीत ÷जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मुकाम...÷ की प्रस्तुति हुई, पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उपस्थित संगीत प्रेमियों ने अपने प्रिय गायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन ने कहा कि किशोर कुमार भारतीय संगीत जगत की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी मधुर एवं बहुआयामी आवाज आज भी हर आयु वर्ग के लोगों के दिलों पर राज करती है। उन्होंने कहा कि किशोर कुमार के गीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संगीत संस्कृति की अमूल्य विरासत हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को भी

प्रेरित करती रहेंगी।

विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला महामंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह तोमर, वरिष्ठ नेता श्री सुघर सिंह पवैया, उपेंद्र सिंह बैंस, एडवोकेट हरीश दीवान, चंद्रेश पवैया एवं योगेंद्र सिंह परिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि किशोर कुमार का संगीत समय और पीढ़ियों की सीमाओं से परे है। उनकी गायकी की लोकप्रियता आज भी उतनी ही बनी हुई है, जितनी अपने समय में थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा किशोर कुमार के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद कलाकारों ने उनके लोकप्रिय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर देर शाम तक श्रोताओं को संगीत के सुरमयी सफर पर ले गए।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नागरिकों को निःशुल्क पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में समिति के सचिव एडवोकेट पियूष मंगलानी, सह सचिव विपिन केसवानी सहित समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संपूर्ण आयोजन में सुरों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों का भी सुंदर समन्वय देखने को मिला, जिसने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

अधिक प्रजातियां, अधिक मजबूत वन
दो दशकों के वैज्ञानिक प्रमाण

डॉ विजय गर्ग

पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व वनों के बिना संभव नहीं है। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जहाँ पेड़-पौधे, पक्षी, वन्यजीव, कीट-पतंगे, कवक और सूक्ष्मजीव एक-दूसरे पर निर्भर रहते हुए प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वर्षा चक्र को प्रभावित करते हैं, मिट्टी का संरक्षण करते हैं और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार हैं। आज जब जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का संकट गहराता जा रहा है, तब एक नया अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि जितनी अधिक प्रजातियाँ किसी वन में होंगी, वह वन उतना ही अधिक मजबूत, उत्पादक और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला होगा।

लगभग बीस वर्षों तक किए गए वैश्विक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने विभिन्न महाद्वीपों के वनों का विश्लेषण किया। शोध से पता चला कि जिन वनों में वृक्षों की प्रजातियों की विविधता अधिक थी, वहाँ प्रकाश संश्लेषण की क्षमता समय के साथ अधिक तेजी से बढ़ी। प्रकाश संश्लेषण वह प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से पौधे सूर्य के प्रकाश, पानी और कार्बन डाइऑक्साइड की सहायता से अपना भोजन बनाते हैं तथा ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन और खाद्य श्रृंखला की आधारशिला है।

अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि यदि जैव विविधता का क्षरण इसी गति से जारी रहा, तो वर्ष 2050 तक वनों की प्रकाश संश्लेषण क्षमता में होने वाला सकारात्मक सुधार लगभग 17 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसका अर्थ केवल पेड़ों की धीमी वृद्धि नहीं है, बल्कि वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने की पृथ्वी की प्राकृतिक क्षमता भी कमजोर पड़ सकती है।

जैव विविधता क्यों है इतनी महत्वपूर्ण?

जैव विविधता का अर्थ केवल विभिन्न प्रकार के वृक्ष नहीं, बल्कि पूरे वन में मौजूद सभी जीवित प्रजातियों की विविधता है। प्रत्येक वृक्ष प्रजाति की अपनी विशेष भूमिका होती है। कुछ वृक्ष तेजी से बढ़ते हैं, कुछ लंबे समय तक जीवित रहते हैं। कुछ की जड़ें गहराई तक जाकर पानी प्राप्त करती हैं, जबकि कुछ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मदद करती हैं। जब अनेक प्रजातियाँ एक साथ रहती हैं, तो वे सूर्य के प्रकाश, पानी और पोषक तत्वों का अधिक कुशलता से उपयोग करती हैं।

विविधता से भरपूर वन प्राकृतिक आपदाओं का सामना भी बेहतर ढंग से करते हैं। यदि किसी रोग, कीट या सूखे से एक प्रजाति प्रभावित होती है, तो अन्य प्रजातियाँ वन की कार्यक्षमता बनाए रखती हैं। इसके विपरीत, केवल एक या दो प्रजातियों वाले वन किसी एक बीमारी या पर्यावरणीय संकट से बड़े पैमाने पर नष्ट हो सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन से लड़ने में वनों की भूमिका

वन पृथ्वी के सबसे बड़े कार्बन भंडारों में शामिल हैं। वे वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके अपने तनों, शाखाओं, जड़ों और मिट्टी में संग्रहित करते हैं। इस कारण वन वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जैव विविधता से समृद्ध वन अधिक स्वस्थ रहते हैं और लंबे समय तक कार्बन का भंडारण करने में सक्षम होते हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक जैव विविधता को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध प्रकृति की सबसे प्रभावी रक्षा प्रणाली मानते हैं।

केवल पेड़ ही नहीं, पूरा पारिस्थितिक तंत्र महत्वपूर्ण

वनों की शक्ति केवल पेड़ों में नहीं होती। पक्षी बीजों का प्रसार करते हैं, मधुमक्खियाँ और तितलियाँ परागण में सहायता करती हैं, कवक मिट्टी में पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण करते हैं, जबकि सूक्ष्मजीव पौधों की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इन सभी जीवों के बीच एक जटिल लेकिन संतुलित संबंध होता है।

यदि इनमें से किसी एक समूह की संख्या कम होती है, तो उसका प्रभाव पूरे वन तंत्र पर पड़ सकता है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण केवल दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा है।

जैव विविधता के सामने बढ़ते खतरे

आज मानव गतिविधियाँ जैव विविधता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी हैं। वनों की कटाई, अनियंत्रित शहरीकरण, प्रदूषण, अवैध लकड़ी कटाई, खनन और जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक वनों को लगातार नुकसान पहुँचा रहे हैं। अनेक स्थानों पर विविध प्राकृतिक वनों की जगह केवल एक ही प्रजाति के वृक्षों के बड़े-बड़े बाग लगाए जा रहे हैं। यद्यपि ये आर्थिक दृष्टि से उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन वे प्राकृतिक वनों जैसी पारिस्थितिक सेवाएँ और जैव विविधता प्रदान नहीं कर सकते।

समाधान क्या है?

वनों की रक्षा के लिए केवल पेड़ लगाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यक है कि स्थानीय और देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए। प्राकृतिक वनों का संरक्षण, क्षतिग्रस्त वनों का पुनर्स्थापन, अवैध कटाई पर सख्त नियंत्रण तथा टिकाऊ वन प्रबंधन को बढ़ावा देना समय की मांग है।

स्थानीय समुदायों और आदिवासी समाजों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सदियों से वे प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीते आए हैं और वनों के संरक्षण में उनका अनुभव अमूल्य है। इसके साथ ही पर्यावरण शिक्षा, जनजागरूकता और वैज्ञानिक अनुसंधान को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

बीस वर्षों के वैज्ञानिक अध्ययन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रकृति की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित है। जिस प्रकार विविध विचारों वाला समाज अधिक सशक्त होता है, उसी प्रकार अनेक प्रजातियों से समृद्ध वन अधिक स्वस्थ, उत्पादक और टिकाऊ होते हैं।

जैव विविधता का संरक्षण केवल वन्यजीवों या पेड़ों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य को सुरक्षित रखने का संकल्प है। यदि हम आज अपने वनों की विविधता की रक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, संतुलित जलवायु, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन और एक स्वस्थ पृथ्वी विरासत में मिलेगी। अधिक प्रजातियाँ वास्तव में अधिक मजबूत वनों की आधारशिला हैं, और यही संदेश दो दशकों के वैज्ञानिक प्रमाण हमें स्पष्ट रूप से देते हैं।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

भ्रष्टाचार का बोझ, गरीब की मजबूरी

वैश्विक स्तरपर आज के डिजिटल युग में भ्रष्टाचार केवल सरकारी फाइलों,बंद कमरों,रिश्वतखोरी या सार्वजनिक धन के दुरुपयोग तक सीमित विषय नहीं रह गया है।अब एक अधूरी सड़क का वीडियो,जर्जरस्कूल की तस्वीर,वर्षों से बंद पड़ा अस्पताल,अधूरा पुल, अनुपयोगी सरकारी भवन या किसी नागरिक की शिकायत कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकती है। पहले नागरिक भ्रष्टाचार की शिकायत करते थे, फिर मीडिया उसे प्रकाशित करता था,उसके बाद जांच एजेंसियां सक्रिय होती थीं और अंततः राजनीतिक या प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद की जाती थी। लेकिन डिजिटल युग में नागरिक स्वयं कैमरा,रिपोर्टर, तथ्य-संग्रहकर्ता,जनमत निर्माता और कभी-कभी राजनीतिक प्रतिनिधि भी बन रहा है। सोशल मीडिया ने जनता को आवाज तो दी है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी खड़ा किया है, क्या डिजिटल निगरानी वास्तव में जवाबदेही बढ़ाएगी या केवल वायरल लोकप्रियता की राजनीति को जन्म देगी? इस प्रश्न का उत्तर इस बात पर निर्भर करेगा कि डिजिटल अभियानों को तथ्य, प्रमाण, स्वतंत्र जांच और संस्थागत सुधार से कितना जोड़ा जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि रिश्वत को अदृश्य कर कहना इसलिए उचित है, क्योंकि यह अक्सर कानून द्वारा निर्धारित कर नहीं होती, फिर भी नागरिक को सेवा प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त आर्थिक कीमत चुकानी पड़ती है। अंतर यह है कि वैध कर सार्वजनिक बजट में दर्ज होता है और उसके उपयोग पर लोकतांत्रिक निगरानी संभव होती है, जबकि रिश्वत निजी लाभ में चली जाती है और सार्वजनिक व्यवस्था को भीतर से कमजोर करती है।इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब, निम्न-मध्यमवर्गीय और कमजोर वर्गों पर पड़ता है। संपन्न व्यक्ति के लिए एक छोटी अवैध राशि आर्थिक असुविधा हो सकती है, लेकिन सीमित आय वाले परिवार के लिए वही राशि भोजन, शिक्षा, दवा या यात्रा के बजट को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकार भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता को बढ़ाने वाला तंत्र भी बन जाता है।संयुक्त राष्ट्र की द सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भ्रष्टाचार औररिश्वतखोरी विकासशील देशों में गरीबों पर अमीर देशों की तुलना में तीन गुना अधिक वित्तीय बोझ डालती है,जिससे 17 प्रतिशत आबादी सीधे प्रभावित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कड़े कानूनी ढांचे के बावजूद भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के खराब कार्यान्वयन से संस्थागत जवाबदेही कमजोर हो रही है। अब विश्व सहित भारत से यह उम्मीद की जाती है कि भ्रष्टाचार कानून का क्रियान्वयन सख्ती से किया जाएगा? या फिर जंतर मंतर पर ज़ेन ज़ेड के खिलाफ पेपर लीकआंदोलन की तरह भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की रास्ता देखी जाएगी।

साथियों, संयुक्त राष्ट्र की सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2026 के अनुसार, जिन देशों के लिए हालिया और तुलनीय आंकड़े उपलब्ध हैं,वहां सार्वजनिक अधिकारियों से संपर्क करने वाले लगभग 17 प्रतिशत लोगों ने बताया कि पिछले 12 महीनों के दौरान उनसे रिश्वत मांगी गई या सार्वजनिक सेवा प्राप्त करने के लिए उन्हें रिश्वत देनी पड़ी। रिपोर्ट के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि निम्न-आय वाले देशों में रिश्वतखोरी का प्रभाव उच्च-आय वाले देशों की तुलना में अधिक व्यापक और गंभीर है। मध्य एवं दक्षिण एशिया में भी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच के दौरान रिश्वत की समस्या चिंता का विषय बनी हुई है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि भ्रष्टाचार केवल प्रशासनिक अनियमितता या आर्थिक अपराध नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और नागरिक अधिकारों से जुड़ी वैश्विक चुनौती है।जब किसी नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा पुलिस, भूमि, प्रमाण-पत्र, लाइसेंस या अन्य आवश्यक सरकारी सेवा के लिए वैध शुल्क के अतिरिक्त अवैध भुगतान करना पड़ता है, तो रिश्वत एक प्रकार के ÷अदृश्य कर÷ में बदल जाती है। इसका सबसे अधिक बोझ गरीब, निम्न- आय और कमजोर वर्गों पर पड़ता है। इसलिए भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कठोर कानून के साथ पारदर्शी प्रशासन, डिजिटल जवाबदेही, स्वतंत्र निगरानी, सुरक्षित शिकायत व्यवस्था और सटिका से समयबद्ध कार्रवाई भी आवश्यक है।

साथियों भ्रष्टाचार का एक और अधिक गंभीर पक्ष वह है, जो अक्सर बड़े घोटालों की सुर्खियों में दिखाई नहीं देता, आम नागरिक द्वारा दिया जाने वाला छोटा या मजबूरी का भुगतान।किसी प्रमाणपत्र, लाइसेंस,पुलिस कार्यवाही, भूमि संबंधी सेवा,स्वास्थ्य सुविधा या अन्य सार्वजनिक सेवा के लिए यदि नागरिक से अनुचित धन मांगा जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत आर्थिक नुकसान नहीं होता; यह राज्य और नागरिक के बीच विश्वास को कमजोर करता है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य- 16 में शांति, न्याय और मजबूत संस्थाओं के साथ भ्रष्टाचार एवं रिश्वत को कम करने को विशेष महत्व दिया गया है।एसडीज़ी -16 का उद्देश्य प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी संस्थाओं का निर्माण करना है, क्योंकि विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब नागरिकों को सेवाएं निष्पक्ष और समान रूप से उपलब्ध हों।

साथियों, बदलती व्यवस्था का एक असाधारण उदाहरण आज 4 अगस्त 2026 को कोलंबिया में सामने आया, जहां भ्रष्टाचार और उपेक्षित सार्वजनिक परियोजनाओं को उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता लुइस कार्लोस रूआ ने सफेद हाथी की पोशाक पहनकर सीनेटर के रूप में शपथ ली। उन्होंने बिना किसी पारंपरिक और बड़े राजनीतिक प्रचार के लगभग 1,24,000 वोट हासिल किए और सीनेट के लिए चुने गए। उनका इस वेशभूषा में संसद पहुँचना यह दिखाने के लिए था कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी इस अनोखी निगरानी को अब संसद के भीतर से भी जारी रखेंगे, उनका यह प्रतीक उन महंगी, अधूरी, अनुपयोगी या कुप्रबंधित सार्वजनिक परियोजनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जिन पर जनता का धन खर्च तो होता है, लेकिन उनका अपेक्षित लाभ जनता तक नहीं पहुंचता। सोशल मीडिया पर सड़कों, पुलों, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक ढांचों की कमियों को सामने लाने वाले उनके अभियानों ने उन्हें लोकप्रिय बनाया और वे लगभग 1.24 लाख मतों के साथ कोलंबिया के प्रमुख निर्वाचित सीनेटरों में शामिल हुए।यह घटना केवल एक व्यक्ति के संसद पहुंचने की कहानी नहीं है; यह दुनिया की राजनीति में उभर रहे सटीकता से एक बड़े परिवर्तन का संकेत है।

साथियों संयुक्त राष्ट्र के भ्रष्टाचार -संबंधी वैश्विक संकेतक भी यह मानते हैं कि रिश्वत की समस्या को केवल दर्ज मामलों से नहीं मापा जा सकता। एसडीज़ी लक्ष्य 16.5 के अंतर्गत यह देखा जाता है कि सार्वजनिक अधिकारी से संपर्क करने वाले कितने लोगों या व्यवसायों ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत दी या उनसे रिश्वत मांगी गई। यह व्यवस्था इस तथ्य को स्वीकार करती है कि भ्रष्टाचार का वास्तविक अनुभव अक्सर न्यायालय या पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंच ही नहीं पाता।भ्रष्टाचार का प्रभाव विकास की पूरी श्रृंखला पर पड़ता है। यदि सड़क निर्माण में धन का दुरुपयोग होता है, तो सड़क जल्दी टूट सकती है; यदि स्कूल निर्माण में अनियमितता होती है, तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है; यदि स्वास्थ्य परियोजना अधूरी रह जाती है, तो नागरिकों को उपचार के लिए दूर जाना पड़ सकता है; यदि जल परियोजना वर्षों तक लंबित रहती है, तो गरीब परिवारों को पानी खरीदना पड़ सकता है। इस प्रकार भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नागरिकों के समय, आय, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसरों पर भी पड़ता है। कई बार भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कीमत वह व्यक्ति चुकाता है, जिसने सटीकता से किसी गलत निर्णय में भाग भी नहीं लिया होता। साथियों, इसी संदर्भ में कोलंबिया का सफेद हाथी आंदोलन और रिश्वत का अदृश्य कर, दोनों एक ही समस्या के अलग-अलग रूप हैं। पहला सार्वजनिक धन के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग या परियोजनागत विफलता को उजागर करता है, जबकि दूसरा नागरिक की दैनिक जिंदगी में भ्रष्टाचार के प्रत्यक्ष बोझ को सामने लाता है। एक ओर करोड़ों की परियोजना अधूरी रह सकती है, दूसरी ओर आम व्यक्ति को छोटी सेवा के लिए अवैध भुगतान करना पड़ सकता है।

साध्वी प्रमोद कुंवर जी के सानिध्य में 9 से 13 अगस्त तक पोषद भवन में होंगे धार्मिक कार्यक्रम

आचार्य आनंद ऋषि जी की 126 जयंती 5 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी

शिवपुरी जीएनएस

शिवपुरी में चार्तुमास कर रही प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज ठाणा तीन के सानिध्य में स्थानकवासी जैन समाज के आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज की 126 वीं जन्म जयंती पोषद भवन शिवपुरी में पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम 9 अगस्त से 13 अगस्त तक चलाएंगे तथा अंतिम दिन 13 अगस्त को आचार्य आनंद ऋषि महाराज के व्यक्तित्व पर गुणानुवाद सभा के माध्यम से प्रकाश डाला जाएगा।

स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कोचेटा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिवपुरी के ओसवाल गली स्थित पोषद भवन में प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी, साध्वी चेतना जी और साध्वी स्मिता जी का चातुर्मास चल रहा है। चार्तुमास के अवसर पर प्रतिदिन सुबह 9 से

10 बजे तक प्रवचन और दोपहर में महिलाओं के लिए धार्मिक कक्षाओं का आयोजन चल रहा है। इसी कड़ी में परम पूज्य आचार्य सम्राट गुरुदेव श्री आनंद ऋषि जी महाराज की 126 वीं जन्म जयंती पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत 9 अगस्त रविवार को सुबह 9-10 बजे तक पोषद भवन में लोगस्स का पाठ धर्मप्रेमी बन्धुओं और बहनों द्वारा किया जाएगा। धर्म प्रेमियों से अपील की गई है कि लोगस्स के जाप में पुरुष सफेद एवं महिलाएं केसरिया परिधान धारण करें। 10 अगस्त सोमवार को सामायिक दिवस घोषित किया गया है। इस अवसर पर धर्मप्रेमी लोग सुबह से 3 सामायिक अनिवार्य रूप से से करेंगे। इसे सामायिक का तेला नाम दिया गया है। 11 अगस्त मंगलवार को वंदना दिवस को सुबह 9 से 10 बजे तक वंदना दिवस मनाया जाएगा तथा 12 अगस्त को सुबह 9 से 10 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप आयोजित होगा और इसी दिन धर्मप्रेमी आयमिल वृत करेंगे। आय मिल व्रत महिला मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जैन धर्म में इस व्रत की महिमा बहुत मानी जाती है और इसे सब परित्याग तपस्या कहा जाता है। 13 अगस्त को गुरू महाराज की गुणनुवाद सभा होगी। जिसमें आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज के सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा।

अगस्त और सितम्बर की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण 31 तक

शिवपुरी जीएनएस

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों से अगस्त एवं सितम्बर की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण 31 अगस्त तक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गये हैं। राशन सामग्री का शत् प्रतिशत उठाव 15 अगस्त तक पूरा कर उचित मूल्य दुकानों में भण्डारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अन्त्योदय अन्न योजना के हितग्राहियों को 35 कि.ग्रा. प्रति परिवार राशन (गेहूँ, चावल) एवं प्राथमिकता परिवार श्रेणी में आने वाले हितग्राहियों को 5 कि.ग्रा. प्रति सदस्य राशन दिया जाता है। साथ ही दोनों श्रेणी के हितग्राहियों को एक कि.ग्रा. नमक प्रति परिवार दिया जाता है। पीओएस मशीन में अगस्त एवं सितम्बर की राशन सामग्री को वितरित करते समय दो बार बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा। मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अनुबंधित परिवहनकर्ताओं के माध्यम से दुकानों पर राशन सामग्री का प्रदाय समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश हैं।। इसकी जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग होगी। उचित मूल्य दुकानों पर राशन सामग्री प्रदाय एवं वितरण की नियमित मॉनिटरिंग करने और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमित्ता पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

एसडीएम पोहरी ने मंडी पहुंचकर वितरण व्यवस्था का लिया जायजा

किसानों की सुविधा के लिए पोहरी कृषि उपज मंडी में शुरू हुआ ऑफलाइन खाद टोकन वितरण

शिवपुरी जीएनएस

खाद के ऑनलाइन टोकन बुक करने में आ रही परेशानी को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने किसानों की सुविधा के लिए अधिकारियों को ऑफलाइन टोकन वितरण शुरू करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह 11 बजे से पोहरी कृषि उपज मंडी समिति में ऑफलाइन टोकन वितरण शुरू किया गया। कृषि विभाग और राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा किसानों को शांतिपूर्ण तरीके से टोकन वितरित किए जा रहे हैं। एसडीएम जेपी गुप्ता ने मंडी परिसर पहुंचकर वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि टोकन वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। जिन पात्र किसानों को अभी तक खाद नहीं मिली है उन्हें पहली प्राथमिकता पर टोकन दिए जाएंगे। साथ ही जिन किसानों को ऑनलाइन टोकन के जरिए पहले ही खाद मिल चुकी है उनका रिकॉर्ड भी अलग से रखा जाएगा।

सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक के बजाय तत्काल उपचार से मिला नया जीवन

समय पर अस्पताल पहुंचने से बची 6 वर्षीय बालक की जान

श्योपुर जीएनएस

सर्पदंश के मामलों में जागरूकता बहुत जरूरी है, झाड फूंक के फेर में न पडकर तत्काल अस्पताल में ईलाज के लिए लाना समझदारी भरा कार्य है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश के मामलों में इस प्रकार की एडवायजरी भी जारी की जाती है कि सर्पदंश पीडित को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जायें। विभाग की जागरूकता का प्रभाव भी अब दिखने लगा है। ऐसे ही एक मामले में परिजनों की सजगता से बालक के जीवन को खतरे से बाहर निकालने में अस्पताल स्टॉफ ने सफलता हासिल की है। सिविल सर्जन डॉ एसएन बिंदल ने बताया कि समय रहते सर्पदंश पीडित बालक को अस्पताल में उपचार हेतु लाये जाने से उसकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। बालक राजवीर पिता श्री योगेश माली, उम्र 6 वर्ष निवासी हासिलपुर को गत 3 अगस्त की शाम लगभग 05 बजे सर्पदंश की घटना के बाद जिला चिकित्सालय लाया गया। अस्पताल पहुँचने पर बालक की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। ड्यूटी पर उपस्थित डॉ. जितेन्द्र यादव ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया तथा अपनी टीम के साथ निरंतर प्रयास करते हुए बालक का सफल उपचार किया। उपचार में नर्सिंग ऑफिसर सुश्री मंजू डाबर, सुश्री राजकुमारी कुशराम, वार्डबॉय श्री बंटी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। चिकित्सकीय टीम के समर्पित प्रयासों से बालक की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह खतरे से बाहर एवं स्वस्थ है। सिविल सर्जन डॉ. एस. एन. बिंदल ने बताया कि इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुँचना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

जिले में अभी तक 292.36 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी जीएनएस

जिले में 01 जून 2026 से अभी तक 292.36 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 1040.48 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 350.80 मि.मी., बैराढ़ में 179 मि.मी., पोहरी में 339 मि.मी., नरवर में 353 मि.मी., करैरा में 355.40 मि.मी., पिछोर में 256 मि.मी., कोलारस में 318 मि.मी., बदरवास में 276.50 मि.मी. तथा खनियाधाना में 203.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

सभी कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन करें अधिकारी : कलेक्टर

शिवपुरी जीएनएस

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए है कि अपने अधीनस्थ समस्त कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन करें। साथ ही आंतरिक परिवाद समिति गठित कर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को अवगत कराऐं।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकने के लिए आंतरिक परिवाद समितियों के गठन के निर्देश दिये है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महिलाओं के यौन उत्पीडन को लैंगिक असमानता, स्वंतत्रता के अधिकारों का उल्लंघन, भेदभाव पूर्ण बताते हुए इसकी रोकथाम के लिए कड़े निर्देश दिये है। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम 2013 के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय, अशासकीय कार्यालय अथवा संस्था पर जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है, उसमें अंतरिक परिवाद समिति गठन करने का प्रावधान है। अधिनियम की धारा 26 के तहत आंतरिक परिवाद समिति का गठन न करने पर कार्यालय प्रमुख पर 50 हजार रुपये अर्थदंड अधिरोपित करने का प्रावधान है।

जिला न्यायालय परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 15 अगस्त को

श्योपुर जीएनएस

माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री बी.एल. प्रजापति के मार्गदर्शन में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला न्यायायल परिसर श्योपुर में समस्त न्यायाधीशगण, जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्योपुर में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस कांउसल्स व पैरालीगल वालेंटियर्स एवं उनके परिवारजन हेतु जिला चिकित्सालय, श्योपुर के समन्वय से उल्लासः एक अभिनव प्रयोग अभियान अंतर्गत वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

न्यायालय स्थित एडीआर भवन में आयोजित होने वाले उक्त वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के सफल आयोजन हेतु माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री बी.एल. प्रजापति की अध्यक्षता में मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी व सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय, श्योपुर के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उक्त वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजन के संबंध में मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी श्योपुर डॉ. दिलीप सिंह सिकरवार व सिविल सर्जन श्योपुर डॉ. एस. एन. बिन्दल को दिशा-निर्देश दिये गये।

उक्त शिविर में जिला चिकित्सालय श्योपुर द्वारा विशेषज्ञों की टीम गठित करने एवं प्रतिभागीगण के आभा कार्ड का नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन किये जाने के संबंध में भी निर्देश दिये गये। उक्त वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में समस्त प्रतिभागीगण का नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन ए.डी.आर. भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्योपुर में किया जा रहा है।

तीन तीर और तीन निशाने

तीन राज्य और तीन सीटों का आया है नतीजा,
किसी के चेहरे पे मुस्कान, आया हैं किसे मजा।
जनता ने फिर फ्साफ़फ्र कहा-यहीं हैं हमारी अदा,
लोकतंत्र की फ्चौखटफ्र पे, झूठा ना करिए वादा।
कहीं कमल मुस्काया फिर से हाथ ने बाज़ी मारी,
कहीं फ्नई उम्मीदोंफ्र ने लिख दी, सत्ता की तैयारी।
कुर्सी का हर ताज यहाँ पे, जनता की है यहीं देन,
अहंकारियों के शीश झुकाती, ये मतपेटी की रैन।
तीन राज्य, तीन परिणाम, तीन दिशाओं के संदेश,
काम करेगा वही टिकेगा, ये लोकतंत्र का परिवेश।
नाम बड़ा, पद ऊँचा हो, फिर भी याद रखे यह बात,
जनता के विश्वास बिना, अधूरी रहती हर सौगात।
हार किसी की अंतिम नहीं, जीत भी फ्नहींफ्र स्थायी,
राजनीति की इस फ्चौसरफ्र में, जनता सबसे न्यायी।
सेवा असल पहचान बने, न हो केवल शोर-शराबा,
जनमत की इस पावन धरा पर, विकास हो इरादा।
(संदर्भ - मध्यप्रदेश, गुजरात व बिहार के उपचुनाव)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

घरेलू गैस सिलेंडर 15 अगस्त 2026 तक ई-केवायसी नहीं तो देना होगी कमर्शियल रेट की कीमत

ई- केवाईसी के साथ 1004 बिना केवाईसी के 2182 देना होगा

गुना (ईएमएस)। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर के कनेक्शनधारियों द्वारा यदि 15 अगस्त 2026 तक ई-केवायसी नहीं कराई तो भारत सरकार द्वारा कमर्शियल कीमत पर सिलेंडर दिए जाएंगे। जिले की समस्त गैस एजेंसियों पर संलग्न उपभोक्ताओं के द्वारा ई-केवायसी कराया जाना आवश्यक है। इस हेतु प्रत्येक गैस एजेंसी पर ई-केवायसी करने की व्यवस्था की गई है तथा उपभोक्ता मोबाइल ऐप के माध्यम से भी ई-केवायसी घर बैठे कर सकता है। सभी उपभोक्ताओं का ई-केवायसी होना आवश्यक है। अभी जिले में 79त्न उपभोक्ताओं द्वारा ई-केवायसी कर लिए हैं तथा शेष रहे उपभोक्ता अपना तत्काल ई-केवायसी कर ले नहीं तो उन्हें कमर्शियल कीमत पर सिलेंडर मिल सकेगा। वर्तमान में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1004 रुपए है। यदि ई-केवायसी नहीं कराई तो लगभग 2182 रुपए में सिलेंडर प्राप्त होगा। खाद विभाग द्वारा सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वह अपना ई-केवायसी अपनी गैस एजेंसी पर जाकर तत्काल करायें।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध राजस्व निरीक्षक एवं तहसील कर्मी दोनों घायल कालपी जालौन 4 अगस्त

58 वर्षीय राजस्व निरीक्षक एवं तहसील संविदा कर्मी 47 वर्षीय दोनों लोग बुरी तरह से घायल हुए बताते चलें की मंगलवार को निर्धारित समयड्यूटीमे राजस्व निरीक्षक सुरेश यादव संविदा कर्मी नीरज कुमार समेत दोनों लोग बाइक में सवार होकर उरई निज निवास से कालपी की ओर आ रहे थे तभी कालपी नगर स्थित पुरानी इलाहाबाद बैंक पास सड़क पर सामने से आ रही गाड़ी को बचाने में बाइक पर संतुलित होकर धड़ाम से सड़क में गिरी जिससे दोनों उपरोक्त बाइक सवार गिरकर बुरी तरह से घायल हुए घटना की सूचना पाकर नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह लेखपालों में शिवमंगल पाठक जयवीर सिंह पाल आदि लोगोने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा घटनास्थलसड़क में पड़े दोनों घायलों को तत्काल उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशाल सचान समय दोनों ने घायलों को बारीकी से जांच की तत्काल स्वास्थ्य टीम को लगाकर इलाज शुरू किया फोटो वृद्ध राजस्व निरीक्षक घायल तहसील कर्मी घायल।

जिला मुख्यालय पर अपर कलेक्टर ने की जनसुनवाई

भिण्ड, जीएनएस। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 28 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

समस्त लेखपाल हदबंदी एवं कुरा बटवारा से संबंधित लंबित चल रहे मामलों को सत प्रतिशत निस्तारण करें तथा सभी संग्रह अमीन अपने-अपने लक्ष्य की सत प्रतिशत वसूली करें-विनय कुमार मौर्य

जालौन, जीएनएस। तहसीलदार एवं न्यायिक तहसीलदारों की उपस्थिति में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में लेखपालों की मौजूदगी में साप्ताहिक बैठक आयोजित कर निर्देश दिए गए।

मंगलवार के दिन तहसील कालपी सभागार में आयोजित लेखपालों की बैठक पर उप जिला अधिकारी विनय कुमार मौर्य ने मौजूद लेखपालों से अपने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा की जिन लेखपालों के पास हदबदी पहले लंबित चल रही है तथा हदबंदी सुधा पहले जिनके पास लंबित है एवं कुरा बटवारा आदि राजस्व संबंधित कार्यलंबित चल रहे हैं वह लेखपाल अपनी भलाई चाहते हैं तो राजस्व निरीक्षक को साथ में ले जाकर कृषकों की नाप कर तथा पत्थर गडड़ी कर लंबित मामले सत प्रतिशत निस्तारण के निर्देश दिए इस कार्य को अभियान चलाकर लंबित मामलों को राजस्व निरीक्षक एवं समस्त लेखपालसत प्रतिशत करें उन्होंने किसी लेखपाल के पास राजस्व संबंधित मामले लंबित पड़े हैं वह उक्त मामलों को शीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित करें वहीं मौजूद संग्रह अमीनो के जमकर पेच कसते हुए कहा कि वसूली अभियान चलाकर बकाया दारों दरवाजे पहुंचकर वसूली कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए इन कार्यों में किसी भी कर्मचारी ने हीला हवाली की तो मैं किसी की बहाने बाजी को बर्दाश्त नहीं करूंगा हर हाल में मुझे कार्य शीघ्र करने वाला कर्मचारी ही तहसील कालपी का सच्चा हितैषी होगा तहसीलदार अभिनव तिवारी ने कहां कि आपकी साप्ताहिक बैठक में कार्य के प्रति सदैव रोना ही रहता है इस बैठक में एसडीएम के द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं उन निर्देशों का कड़ाई से पालन कर अपने कार्यो के प्रति खरे उतरने के निर्देश दिए बैठक में मौजूद नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह राजस्व निरीक्षक प्रमोद द्विवेदी राजस्व निरीक्षक राजेंद्र सोनी सदर लेखपाल जितेंद्र सिंह लेखपालों में शिवमंगल पाठक छविनाथ सिंह पाल जयवीर सिंह पाल विभा विद्यासागर प्रिया सिंह चौहान पल्लवी श्रीवास्तव जितेंद्र राजपूत राहुल कुमार अभिषेक अमित यादव आदि लोग मौजूद थे।

डॉ. श्रॉफ्स चैरिटी आई हॉस्पिटल ने किया भारत के 'सेंटर फॉर अननोन एंड रेयर आई डिसऑर्डर्स' का उद्घाटन

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

नई दिल्ली। दुर्लभ नेत्र रोगों से पीड़ित मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डॉ. श्रॉफ्स चैरिटी आई हॉस्पिटल (स्ष्श्व॥) ने आज सेंटर फॉर अननोन एंड रेयर आई डिसऑर्डर्स (छ्रत्रश्चष्ठ) का उद्घाटन किया। यह समर्पित केंद्र दुर्लभ नेत्र रोगों के शीघ्र एवं सटीक निदान, दीर्घकालिक उपचार तथा नेत्र आनुवंशिकी (ह्रश्चद्धह्लद्धड्डद्यद्वद्बष् द्दद्गठ्ठद्गह्लद्बष्ह्य) के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

इस केंद्र का उद्घाटन अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ के नेत्र विज्ञान एवं दृश्य विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. टेरी एल. यंग, एमडी, एमबीए ने भारत यात्रा के दौरान किया।

दुर्लभ नेत्र रोगों से ग्रसित हजारों मरीजों के लिए सही निदान तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं। अनेक मरीज कई अस्पतालों और विशेषज्ञों के पास जाने के बावजूद समय पर सही जानकारी प्राप्त नहीं कर पाते और कई मामलों में तब तक दृष्टि की अपूरणीय क्षति हो चुकी होती है। छ्रत्रश्चष्ठ की स्थापना इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करती है। यह केंद्र मरीजों को निदान से लेकर आजीवन उपचार तक एक समन्वित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराएगा।जिसमें विशेषज्ञ आनुवंशिक परामर्श, बहु-विषयक उपचार तथा अनुसंधान में भागीदारी के अवसर भी शामिल होंगे।

एक दूरदर्शी पहल का साकार रूप छ्रत्रश्चष्ठ की स्थापना वर्ष 2024 में वेलक्स स्टिफ्टुंग (ङ्कद्गद्यह्व×ह्स्ह्लद्बद्घह्लह्वठ्ठद्द) स्विट्ज़रलैंड द्वारा प्रदान किए गए एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी अनुदान (द्दह्म्ड्डठ्ठह्ल) के माध्यम से संभव हुई। इस अनुदान के तहत भारत के पहले व्यापक सेंटर फॉर अननोन एंड रेयर आई डिसऑर्डर्स की स्थापना की गई।

इस अनुदान से विशेष क्लिनिकल सुविधाओं, रोगी रजिस्ट्री, बायोबैंक, आनुवंशिक परामर्श सेवाओं तथा सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों का विकास किया गया है। जो दुर्लभ नेत्र रोगों के उपचार में महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगे।

दुर्लभ नेत्र रोगों पर विशेष ध्यान क्यों आवश्यक है?

अस्पताल में मरीजों के हित मे सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखें-विनय कुमार मौर्य

जालौन, जीएनएस। उप जिलाधिकारी ने अचानक सीएचसी कालपी में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आने वाले मरीजों का तत्परता से लगकर इलाज करने के निर्देश दिए।

मंगलवार के दिन उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य जैसे ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में अचानक पहुंचे अस्पताल में मौजूद अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया ने स्टाफ के साथ स्वागत किया इसके उपरांत एसडीएम ने अधीक्षक के साथ अस्पताल में चल रही स्वास्थ्य पटलो का बारीकी से निरीक्षण कर प्रत्येक मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने पूरे अस्पताल में चारों तरफ भ्रमण कर जायजा लिया तथा बेहतर सफाई कराने के निर्देश दिए उन्होंने दवा कक्ष का निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान सरकार से प्राप्त दवाइयां को आने वाले मरीजों को समय से वितरण करने के निर्देश दिए उन्होंने आयुष्मान पटल में मौजूद आकाश साहू से निर्देश देते हुए कहा कि जो मरीज पात्र हो ऐसे मरीजों के तत्काल आयुष्मान कार्ड बनाकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा आयुष्मान कार्ड में जो गलतियां हैं उन गलतियों को तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए उन्होंने मौजूद अधीक्षक एवं चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि आने वाले मरीजों का तत्परता से इलाज कर स्वस्थ करने में सदैव अग्रसर रहें जिससे सर्वाधिक पुण्य प्राप्त होता है उन्होंने मौजूद मरीज से पूछताछ कर स्वास्थ्य सेवाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा की मरीज के इलाज में किसी भी चिकित्सक ने लापरवाही की ऐसे चिकित्सक की खैर नहीं होगी उन्होंने पैथोलॉजी भवन में पहुंचकर निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान आने वाले मरीज की जांच कर समय से रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने भ्रमण दौरान अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं सही पाए जाने पर खुश हुए इसके उपरांत तहसील के घायल हुए दोनों कर्मचारियों को जाकर जायजा लेकर हाल-चाल जाना निरीक्षण के दौरान मौजूद लोगों में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशाल सचान चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख दंत चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रोहित सिंह नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गरिमा सचान चीफ फार्मासिस्ट वीरेंद्र कुमार फार्मासिस्ट अशोक कुमार फार्मासिस्ट विनोद सचान हरचरण राम सजीवन गुप्ता प्रदीप कुमार मोहिनी त्रिपाठी सतीश चंद्र ममता सिंह किरण राठौर संतोष सोनी गया प्रसाद आदि लोग मौजूद थे।

कोलारस के पार्षदों ने भूमिहीनों के पट्टों की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कोलारस, जीएनएस। कोलारस में क्षेत्र के नागरिकों की आवास और भूमि संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए आज एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन कोलारस के पार्षदों ब्रजकिशोर शिवहरे, राम सड़ैया, भानु जाट, राजू भार्गव, सुरेश राठौर, होतम जाटव और संदीप चंदेल द्वारा संयुक्त रूप से सौंपा गया, जिसमें प्रधानमंत्री

आवास योजना के सर्वे को त्वरित गति से पूरा करने और भूमिहीन लोगों को जल्द से जल्द पट्टे स्वीकृत करने की पुरजोर मांग की गई।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सभी पार्षदों ने प्रशासन के समक्ष स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोलारस की जनता हमारे लिए केवल आम नागरिक नहीं, बल्कि हमारा परिवार है। परिवार के सदस्यों को बुनियादी जरूरतों–विशेषकर सिर पर छत और जमीन–के लिए भटकना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस गंभीर समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो जनप्रतिनिधियों और आम जनता को मिलकर कड़ा कदम उठाना पड़ेगा।

पार्षदों ने प्रशासन के समक्ष दो प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें क्षेत्र में छूटे हुए गरीब और पात्र परिवारों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे जल्द से जल्द पूरा करना और जिन गरीब परिवारों के पास रहने के लिए अपनी जमीन नहीं है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर भूमि के पट्टे जल्द स्वीकृत करना शामिल है,

ताकि वे अपने मकान का निर्माण करवा सकें। पार्षदों ने प्रशासन से उम्मीद जताई है कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों के नाम प्रतिदिन स्मरण करना चाहिए – बृजभूषण महाराज

कोलारस, जीएनएस। कोलारस के लुकवासा के समीप ग्राम अनंदपुर में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण महोत्सव के सप्तम दिवस पर राष्टीय कथा प्रवक्ता पंडित श्री ब्रजभूषण जी महाराज ने बताया की द्वादश ज्योतिर्लिंगों का बहुत बड़ा महत्व हमारे पुराणों में शास्त्रों में बताया गया है जो हर मनुष्य को ज्योतिर्लिंगों का रोज स्मरण करना चाहिए एवं उनका नाम लेना चाहिए जो मनुष्य ज्योतिर्लिंगों का रोज स्मरण करता है उनका ध्यान करता है एवं उनका पूजन करता है।

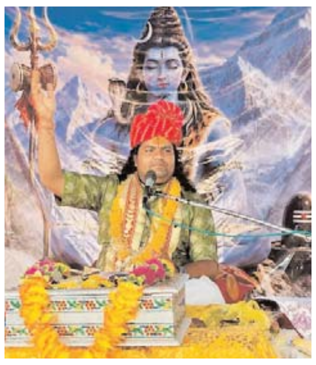

ऐसे व्यक्ति के जीवन में भगवान भोलेनाथ की कृपा अवश्य होती है एवं गृहस्थ व्यक्तियों को धन मिलता है संन्यासियों को ईश्वर मिलता है एवं मोक्ष चाहने वालों को मोक्ष की प्राप्ति भी द्वादश ज्योतिर्लिंग के ध्यान करने से होती है यह ज्योतिर्लिंग भगवान के शिव के स्वरूप है अलग-अलग देवताओं ने ऋषियों ने भजन करके ज्योतिर्लिंगों को प्रकट किया है और भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर के भगवान ने अपने आप को ज्योतिर्लिंगों के रूप में प्रकट किया है आचार्य जी ने सुंदर शिव पुराण की महिमा का वर्णन करते हुए है बताया कि श्री शिवमहापुराण साक्षात भगवान शिव का स्वरूप है शिवमहापुराण की कथा अनंत है भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए एवं शिव के भक्त जो हैं शिव संप्रदाय से दीक्षित हैं उनके लिए अधिक से अधिक श्री शिवमहापुराण का सेवन करना चाहिए क्योंकि भगवान भोलेनाथ शिव कथा सुनने से बड़े प्रसन्न होते हैं और मनुष्यों के लिए धर्म अर्थ काम मोक्ष प्रदान करते है। शिवपुराण कथा में महाराज जी ने सुंदर श्री हनुमान जी महाराज के जन्म का प्रसंग सुनाया और बताया कि हनुमान जी महाराज साक्षात शिव के अवतार हैं एवं शंकर सुमन है भगवान राम के कार्यो करने के लिए साक्षात् भोलेनाथ जी श्री हनुमान जी बनाकर पधारे और माता अंजनी के द्वारा उनका जन्म हुआ हुआ है कथा के उपरान्त सभी ने व्यासपीठ का पूजन किया इस कथा का आयोजन 29 जुलाई से 5 अगस्त तक किया जा रहा है कथा का आयोजन समय ग्राम वासियों के सहयोग से एवं जन-जन के सहयोग से हो रहा है कथा का भंडारा 5 तारीख को किया जावेगा।

बेकाबू पिकअप ने बाइक सवार युवको को मारी टक्टर, एक की मौत, एक गंभीर घायल

कोलारस, जीएनएस। कोलारस थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी हादसा इतना भीषण था कि बाइक चला रहे 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना के बाद आरोपी पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कोलारस से गांव लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार कोलारस के ग्राम गोहरी निवासी मनीराम कुशवाह (35) अपने साथी रामजीलाल कुशवाह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर कोलारस से अपने गांव गोहरी लौट रहे थे सोमवार शाम जब वे गुगवारा-राई रोड से गुजर रहे थे, तभी सामने (राई) की ओर से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही तोड़ा दम

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार हवा में उछलकर सड़क किनारे जा गिरे हादसे में मनीराम कुशवाह के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई और अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं, बाइक पर पीछे बैठे रामजीलाल के हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज जारी है।

पीछे आ रहे साथियों ने दी सूचना, अस्पताल में घोषित किया मृत

हादसे के वक्त पीछे से आ रहे अन्य ग्रामीणों व साथियों ने तत्काल घटना की सूचना मृतक के भाई सुगन कुशवाह को दी इसके बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए तुरंत कोलारस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मनीराम को मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, मामला दर्ज

कोलारस थाना प्रभारी पुनीत वाजपेई ने बताया कि मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है दुर्घटना के बाद फरार हुए चालक और वाहन का सुराग लगाने के लिए मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मंगलवार को कोलारस में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत, सिर धड़ से हुआ अलग

कोलारस, जीएनएस। मंगलवार की सुबह कोलारस और पुरणखेड़ी-गिलगमा के बीच एक दर्दनाक रेल हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर के बाद युवक का सिर धड़ से अलग हो गया।

घटनास्थल पर मिले आधार कार्ड के अनुसार, मृतक की पहचान घनश्याम जाटव पुत्र परमा जाटव उम्र 35 वर्ष निवासी पुरणखेड़ी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई साथ ही सूचना के बाद लुकवासा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही की गई।

परशुराम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ एवं आरती का आयोजन

शिवपुरी। भृगुवंशम परिवार द्वारा परशुराम मंदिर, फिजिकल रोड पर मंगलवार, 4 अगस्त 2026 को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान श्री हनुमान जी का स्मरण किया। कार्यक्रम में पंडित महेश कुमार शर्मा, जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, चंद्र कांत मिश्रा अनिल दुबे, पंडित रामस्वरूप भार्गव, पंडित नंदकुमार भार्गव पंडित कैलाश नारायण भार्गव सेवानिवृत्ति हेल्थ सुपरवाइजर प्रेम नारायण दुबे जी एवं रामेश्वर भार्गव लक्ष्मी नारायण मिश्रा एवं मंदिर के पुजारी जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से भगवान श्री हनुमान जी की आरती की। आरती के बाद मंदिर में प्रसाद वितरण किया गया, जिसे उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। कार्यक्रम भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

मनोज सिंह ठाकुर नें निकाली ऐतिहासिक कावाड़ यात्रा

श्री मंडल रामायण मंडल भव्य कावड़ यात्रा अपने 18 वें वर्ष में जानापाव से साढ़े सात पवित्र नदियों का जल भरकर एवं जनकेश्वर महादेव का जलाभिषेक एवं भगवान परशुराम की पूजन अर्चना , संतों के आशीर्वाद के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में जानापाव से प्रारंभ हुई

प्रथम दिवस पर श्री मंडल रामायण मंडल कावड़ यात्रा पीगड़म्बर जानापाव तीर्थ के पवित्र कुंड से साढ़े सात नदियों का जल कावड़ में भरकर जनकेश्वर महादेव का जलाभिषेक , परशुराम जी का पूजन अर्चन कर संतों के आशीर्वाद के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में यात्रा आरम्भ हुई थी । इस यात्रा में बड़ी संख्या में महू विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से महिला ,युवा एवं शिव भक्त सम्मिलित होते हुए शिव भक्ति में इस कावड़ यात्रा में आगे बढ़े साथ ही इस यात्रा में झाकियां , डीजे वाहन , घोड़े आदि आकर्षण के केंद्र सम्मिलित हुए । उक्त यात्रा के संयोजक भाजयुमो ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में ये यात्रा का 18 वां वर्ष हैं साथ ही उक्त यात्रा के द्वारा प्रतिवर्ष समाज हित का संदेश भी दिया जाता हैं । यात्रा का जानापाव से जामली तक विभिन्न मंचों से भव्य स्वागत किया गया । यात्रा का रात्रि विश्राम जामली में हुआ जहां भजन संध्या एवं भंडारे में शिवभक्त भक्ति में लीन रहें। इस अवसर पर मुख्य रूप से महामंडलेश्वर नितिनदास महाराज पूर्व विधायक अंतरसिंह दरबार,भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, श्री जीतू जी जिराती,विधायक गोलू जी शुक्ला ,पूर्व भाजपा अध्यक्ष चिंटू वर्मा, बलाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार भाजपा एवं भाजयुमो के जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं शिवभक्त समिल्लित हुए। वही द्वितीय दिवस महू के प्रमुख मार्गो पर भ्रमण करते हुए पीगडंबर में जलाभिषेक के साथ हुई सम्पन्न।

सरस्वती शिशु मन्दिर लांच भरसूला में किया पौधरोपण

दतिया, जीएनएस। विद्याभारती मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला दतिया द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर लांच एवं भरसूला विद्यालय में आचार्य परिवार एवं भैया बहनों के साथ पौधारोपण किया गया। पूर्व छात्र परिषद के प्रांतीय संयोजक पर्यावरण मित्र एवं जिला प्रमुख राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि दिनांक 1 से 15 अगस्त तक पर्यावरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करना चाहिए। बारिश के पानी का संचय करना और अपने विद्यालय, गांव, नगर को पन्नी मुक्त बनाना है। इस अभियान से पूर्व छात्रों के अलावा पूर्व आचार्य परिवार, अभिभावक, मातृशक्ति, पर्यावरण मित्र एवं सभी गांव नगर वासियों को जोड़कर जागरूक करना है। हमारा पर्यावरण स्वच्छ और हरित रहेगा तभी हमारे गांव हमारा देश हरित और स्वच्छ रहेगा। आइए प्रकृति के संरक्षण में हम अपना अमूल्य योगदान देकर अपनी धरती को हरियाली युक्त बनाएं।

सत्यमेव जयते! हाईकोर्ट से ष्ढ्ढत्र राजेश सिंह चंदेल को बड़ी राहत, स्न्ढ्ढक्रपर लगी रोक

ग्वालियर, जीएनएस। मध्यप्रदेश पुलिस के तेजतर्रार और ईमानदार छवि वाले अफसरों में शुमार भोपाल के वर्तमान डीआईजी और शिवपुरी के पूर्व पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल के खिलाफ दर्ज एफआईआर मामले में माननीय ग्वालियर उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत देते हुए कार्यवाही पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद पुलिस महकमे से लेकर आम जनमानस में सत्य की जीत की चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार श्री चंदेल के विरुद्ध दर्ज हुई एफआईआर को लेकर उन्होंने माननीय उच्च न्यायालय की शरण ली थी। मामले की गंभीरता और प्रारंभिक तथ्यों को देखते हुए माननीय न्यायालय ने कार्यवाही पर अंतरिम रोक का आदेश जारी किया है। यह आदेश न केवल एक ईमानदार अधिकारी के लिए राहत भरा है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि न्यायपालिका आज भी निष्पक्ष और सच्चे लोगों के साथ खड़ी है।

शिवपुरी में आज भी याद की जाती है चंदेल की पुलिसिंग

राजेश सिंह चंदेल का नाम शिवपुरी में आज भी सम्मान के साथ लिया जाता है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने थाने में बैठकर नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर पुलिसिंग की।

सरल स्वभाव, सहज उपलब्धता और सख्त फैसलों के लिए पहचाने जाने वाले श्री चंदेल ने शिवपुरी में कानून-व्यवस्था को एक नई मजबूती दी थी। अपराधियों में जहाँ उनके नाम का खौफ था, वहीं आम आदमी के लिए वे एक भरोसे का नाम थे।

बताया जाता है कि उनके कार्यकाल में जनसुनवाई को प्राथमिकता दी गई, गरीब और कमजोर वर्ग की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई हुई और कई बड़े अपराधों का खुलासा कर पुलिस पर जनता का विश्वास लौटाया गया। उनकी संवेदनशील और निष्पक्ष पुलिसिंग की मिसाल आज भी पुलिस के नए जवानों को दी जाती है।

ईमानदारी बनी पहचान, इसलिए जनता है साथ

पुलिस विभाग में अक्सर अधिकारियों पर कई तरह के आरोप लगते हैं, लेकिन श्री चंदेल की पहचान हमेशा एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और निष्पक्ष अधिकारी के रूप में रही है।

प्रधानमंत्री सड़क स्विमिंग पूल निर्माण योजना के सौजन्य से...

ग्वालियर की सड़कों का हाल देखकर लगता है कि इस बरसात में विकास की नई परिभाषा लिखी जा रही है। सड़कें कम और स्विमिंग पूल ज़्यादा नज़र आ रहे हैं। गड्ढे इतने गहरे हैं कि उनमें खड़े होकर फोटो खिंचवाना अब विरोध का नया तरीका बन गया है। पत्रकार राघव अग्रवाल की यह तस्वीर सिर्फ़ एक फोटो नहीं, बल्कि पूरे शहर की सड़क व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल है पिछली बरसात में भी ग्वालियर की जर्जर सड़कों की तस्वीरें चर्चा में थीं। इस बार भी हालात बहुत अलग नहीं दिख रहे। जगह-जगह गड्ढे, जलभराव और टूटी सड़कें आम लोगों की रोज़मर्रा की परेशानी बन चुकी हैं। शहर में सड़क मरम्मत और गड्ढों की मरम्मत के लिए समय-समय पर टेंडर भी जारी किए गए हैं, लेकिन कई स्थानों पर समस्या अब भी बनी हुई दिखाई देती है।तस्वीरें खुद गवाही दे रही हैं।अब फैसला जनता करे ये सड़कें हैं, तालाब हैं या फिर किसी नई स्विमिंग पूल योजना का ट्रायल?

झांसी रोड पर सेटल हुई सीवर लाइन की ट्रेंच, त्वरित मरम्मत के बाद यातायात पुनः बहाल

ग्वालियर, जीएनएस। झांसी रोड पर हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के चलते सीवर लाइन की ट्रेंच सेटल होने की सूचना प्राप्त हुई है। जो कि विगत 48 घंटों से जारी लगातार बारिश के कारण ट्रेंच का लगभग 10 से 12 फुट का हिस्सा 1 से 1.5 फुट तक सेटल हो जाने पर विभाग द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए रेस्टोरेशन का काम शुरू कर दिया गया है और ट्रेंच को रिफिल कर सड़क को दोबारा वाहनों की आवाजाही के योग्य मोटरेबल बना दिया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि उक्त स्थल पर सड़क नहीं धसी है, क्योंकि अभी सड़क का निर्माण हुआ ही नहीं है और सड़क का निर्माण तभी होगा जब नैचुरल कॉम्पेक्शन हो जाएगा।

कार्यपालन यंत्री नगर निगम ग्वालियर श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व स्थानीय निवासियों की सुविधा और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से झांसी रोड पर सीवर लाइन का निर्माण कराया गया था। सीवर लाइन निर्माण के पूरा होने के बाद से ही इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन लगातार जारी है। सड़क निर्माण की कार्यवाही लोक निर्माण विभाग द्वारा की जा रही है। सीवर लाइन जमीन से लगभग 6 मीटर की गहराई पर डाली गई है। बारिश के मौसम में इतनी गहराई वाली मिट्टी और ट्रेंच में सेटलमेंट की संभावना बनी रहती है। इसी कारण सुरक्षा के दृष्टिकोण से लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है।

दो दिवस से निरंतर हुई बारिश से ट्रेंच सेटल होते ही संबंधित विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मरम्मत कार्य प्रारंभ करवाया, फिलहाल सड़क को दुरुस्त कर यातायात को सुचारू कर दिया गया है।

हरिद्वार से कांवड़ भरकर लाए कांवरियों ने अचलेश्वर पर गंगाजल चढ़ाया..

ग्वालियर। श्रावण मास में शिवजी पर गंगाजल चढ़ाने का अपना अलग महत्व है इसीलिए देश भर से शिव जी के भक्त गंगोत्री हरिद्वार सौरों से गंगाजल भरकर कांवर के रूप में शिवजी पर अर्पित करते हैं ऐसी मान्यता है की श्रावण मास में शिवजी पर गंगाजल चढ़ाने से मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है इसी तारतम्य ग्वालियर के वार्ड क्रमांक 65 धोकलपुरा में रहने वाले कुछ युवाओं ने हरिद्वार से कांवर में 51 लीटर गंगाजल लाकर अचलेश्वर महादेव मंदिर पर वेद मंत्रों के साथ गंगाजल चढ़ाया कुछ कांवरियों ने बताया की 18 जून को कुछ युवा आकाश, संजय, रोहित, राज, अमर, अनुज, राहुल, मोनू, छोटू कुशवाहा तथा अन्य कुछ लोग कांवर भरने के उद्देश्य से ग्वालियर से रवाना हुए और सावन के प्रथम सोमवार को ग्वालियर आकर भगवान भोलेनाथ को गंगाजल से स्नान कराया इस कांबर यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया कांवड़ भरने गए युवाओं ने बताया कि हमने पहली बार कावड़ भरकर लाए हैं और यदि भोले बाबा चाहेंगे तो हर वर्ष कांवड़ भरने जाया करेंगे.

बढ़े हुए हाउस टैक्स के विरोध में व्यापारियों का बिगुल, 6 अगस्त से नवयुग मार्केट में अनिश्चितकालीन धरना

गाजियाबाद, जीएनएस। नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए हाउस टैक्स के विरोध में शहर के व्यापारियों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। बुधवार को आयोजित व्यापारियों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 6 अगस्त से नवयुग मार्केट में शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। धरना प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

बैठक में व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम द्वारा बढ़ाया गया हाउस टैक्स पूरी तरह अव्यावहारिक है, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने मांग की कि नगर निगम हाउस टैक्स वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए तथा कर निर्धारण प्रक्रिया की पुनः समीक्षा कर व्यापारियों और नागरिकों को राहत प्रदान की जाए। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बैठक में आरडब्ल्यूए फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन आर.के. गर्ग अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने व्यापारियों के आंदोलन को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा, बढ़ा हुआ हाउस टैक्स पूरे शहर का मुद्दा है। इसका असर केवल व्यापारियों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक पर पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए फेडरेशन इस जनहित की लड़ाई में व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ा है और उनकी जायज मांगों के समर्थन में हरसंभव सहयोग करेगा शीघ्र ही हम व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात करेंगे और बढ़े हुए हाउस टैक्स सहित शहर की अन्य जनसमस्याओं को उनके समक्ष प्रमुखता से उठाकर समाधान की मांग करेंगे। बैठक के संयोजक एवं सर्राफा एसोसिएशन के संरक्षक राज किशोर गुप्ता ने बताया कि 6 अगस्त से नवयुग मार्केट में शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक नगर निगम बढ़े हुए हाउस टैक्स को वापस नहीं लेता अथवा इस संबंध में सकारात्मक निर्णय नहीं करता, तब तक धरना निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने शहर के सभी व्यापारी संगठनों एवं नागरिकों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर गाजियाबाद ऋद्ध फेडरेशन के चेयरमैन आर के गर्ग ,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश शर्मा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक गर्ग, प्रीतम लाल, सुभाष गुप्ता, सुभाष छावड़ा, मनवीर नागर, रजनीश बंसल, मुनेन्द्र आर्य, हरवीर गांधी, आर.के. आर्या, राज किशोर गुप्ता, गौरव बंसल, सुनील चाचा, राजू छावड़ा सहित सैकड़ों व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बढ़े हुए।

लगातार वर्षा के कारण जल भराव की स्थिति का कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त ने लिया जायजा

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर में पिछले 24 घंटों में हुई लगातार वर्षा के कारण जल भराव की स्थिति का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के साथ शहर में निकलीं और अधिकारियों को जल भराव क्षेत्र से तत्काल जल निकासी के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि जहां भी जल भराव हो रहा है वहां अगर आवश्यकता है तो अस्थायी अतिक्रमण भी हटाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए ताकि जल भराव की स्थिति न बन सके।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सूर्य नमस्कार तिराहे पर जल भराव की स्थिति का अवलोकन करते हुए निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्परता से मशीनरी लगाकर जल निकासी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि यहां पर स्थायी समाधान की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने भी मौके पर कार्य कर रहे निगम अमले को निर्देशित किया है कि जेसीबी एवं अन्य मशीनरी लगाकर जल निकासी की व्यवस्था तत्परता से की जाए।

कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं नगर निगम श्री संघ प्रिय ने यूनीपेच फैक्ट्री रोड, डीडी नगर क्षेत्र में भी भ्रमण कर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्थायें तत्परता से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अस्थायी अतिक्रमण के कारण जहां भी जल भराव की स्थिति बन रही है वहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी तत्परता से की जाए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम आयुक्त से कहा है कि शहर में जल भराव की स्थिति को देखते हुए तत्परता से कार्रवाई हेतु जहां भी आवश्यकता है वहां निगम के संसाधन के साथ-साथ किराए से भी मशीनरी की आवश्यकता हो तो ली जाए ताकि सभी जगह से जल भराव की स्थिति का तत्परता से निराकरण हो सके। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने हरिशंकरपुरम कॉलोनी में भी जल भराव की स्थिति का अवलोकन किया। मौके पर उपस्थित स्थानीय पार्षद श्रीमती अर्पणा पाटिल ने कलेक्टर को बताया कि कॉलोनी में कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति है। निगम का अमला एवं मशीनरी निरंतर कार्य कर रही है। जल भराव की स्थिति के स्थायी निदान के लिये सीवर लाइन का मिलान आवश्यक है। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने बताया कि सीवर लाइन के मिलान के कार्य को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह कार्य भी शीघ्र ही पूर्ण होगा ताकि आगामी दिनों में किसी प्रकार से जल भराव की स्थिति न बने। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया है कि वर्षा काल में निगम कंट्रोल रूम संचालित कर जहां भी जल भराव की सूचना प्राप्त होती है वहां पर तत्परता से कार्रवाई करें। शहर में कहीं भी जल भराव न हो, इसके लिये स्थायी समाधान के लिये भी निगम से कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जंगल में शराब बेचने की फिराक में बैठी 5 पारदी महिलाएं गिरफ्तार

गुना, जीएनएस। जिले की म्याना थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोपालपुर गांव के जंगल से 5 पारदी महिलाओं को दबोचा है। पुलिस ने उनके कब्जे से भारी मात्रा में हाथ भट्टी की बनी अवैध कच्ची शराब जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार उसे मुखबिर से सूचना मिली थी कि पाटई और उमरी के बीच गोपालपुर के जंगल में कुछ महिलाएं अवैध शराब लेकर किसी ग्राहक का इंतजार कर रही हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कनेरा थाना धरनावदा निवासी सीताबाई पारदी (40), पुतलीबाई पारदी (40), पंखुड़ीबाई पारदी (20), रैना बाई पारदी (35) और चंदाबाई पारदी (40) को धर दबोचा।

पुलिस को उनके पास मौजूद चार कैनों में कुल 100 लीटर अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब मिली, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10,000 रुपये है। महिलाओं ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे शराब अपने डेरों पर बनाकर आदिवासी बस्तियों में बेचने आई थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नायब तहसीलदार सतेन्द्र तोमर निलंबित

ग्वालियर, जीएनएस। बिना परीक्षण किए शासकीय भूमि का नामांतरण आदेश पारित करने और इसके बाद सक्षम अधिकारी से पुनर्विलोकन अनुमति प्राप्त किए बगैर आदेश निरस्त करना नायब तहसीलदार सतेन्द्र तोमर को भारी पड़ा है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने इस अनियमितता पर उन्हें निलंबित कर दिया है।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने यह कार्रवाई कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान के प्रतिवेदन के आधार पर की है। प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया था कि पुरानी छावनी वृत के नायब तहसीलदार सतेन्द्र तोमर द्वारा ग्राम मऊ की शासकीय भूमि सर्वे क्र.-296/2 का नामांतरण आदेश पारित किया गया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी से पुनर्विलोकन अनुमति प्राप्त किए बिना ही अपने आदेश को संशोधित कर दिया। मध्यप्रदेश राजस्व संहिता (एमपी एलआरसी) अथवा अन्य किसी भी विधान में क्षेत्राधिकार के बाहर जाकर कार्यवाही करना किसी भी पीठासीन अधिकारी के लिये अनुज्ञेय नहीं है।

नायब तहसीलदार सतेन्द्र तोमर की शासकीय कार्य के प्रति पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, कर्तव्यविमुखता एवं उदासीनता सामने आने पर संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम के प्रावधानों के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में सतेन्द्र तोमर का मुख्यालय ग्वालियर कलेक्टर कार्यालय रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

किसानों के हित में दो बड़े निर्णय

मूंग उपार्जन के लिए स्लाट बुक करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त और मूंग-उडद उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त

भोपाल, जीएनएस। किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने प्रदेश के किसानों के हित में महत्वपूर्ण फैसले लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द के खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाकर किसानों को बड़ी राहत दी गई है। उपार्जन प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत मूंग उत्पादक किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए स्लाट बुक करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त और मूंग एवं उडद उत्पार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त कर दी है। इसके तहत किसान को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, रजिस्टर में पूरा ब्यौरा दर्ज करना होगा। उल्लेखनीय है कि खाद वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए %हाइब्रिड मोड% लागू किया गया है। किसानों के हित में उपार्जन नीति में आंशिक संशोधन करते हुए मूंग का उपार्जन कृषकों के उत्पादन का 60 प्रतिशत किये जाने का प्रावधान किया गया है।

उडद एवं ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन की नई उपलब्धि हासिल हुई है। सरकार ने एमएसपी के अलावा उड़द के उपार्जन पर 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इससे प्रदेश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने में गति मिलेगी।

बेटियों की खास कैबिनेट से मिलकर गदगद हुए डॉ. मोहन यादव, बताया कितना और कैसे इस्तेमाल करें AI

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अपनी कैबिनेट है। लेकिन, 5 अगस्त को उनका परिचय एक और खास कैबिनेट से हुआ। यह कैबिनेट थी भोपाल के कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय की। इस कैबिनेट से मिलकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव गदगद हो गए। उन्होंने बाकायदा स्कूल की कैबिनेट को मंच पर अपने पास बैठाया और कार्रवाई को समझा। एक तरफ उन्होंने छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, तो दूसरी ओर उनके संवाद से भी नया अनुभव लिया। दरअसल, स्कूल में %किताब से कल तक% कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सीएम डॉ. यादव ने छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि वे एआई का कितना और कैसे इस्तेमाल करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं को सड़क पर घायल राहगीरों की सहायता करने का संदेश दिया। छात्राओं के बाद सीएम डॉ. यादव ने शिक्षकों से भी संवाद कर विचार साझा किए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय के परिसर में मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं आपका भाई हूं। मैं भी सरकारी स्कूल से ही पढ़ा हूं। हां, इतने अच्छे स्कूल से नहीं पढ़ा हूं। हमारे समय स्कूल अलग प्रकार के होते थे। आप सभी भाग्यशाली हैं जो आपको इतना सुंदर परिसर पढ़ने के लिए मिला है। परमात्मा ने आप पर विशेष कृपा करके आपका जन्म थोड़ी देर से किया, ताकि आप अच्छे स्कूल में पढ़ सकें। मैं सभी का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता है कि उसे दुनिया में बहुत मान-सम्मान मिलता है। भारत को लोग आदर से देखते हैं। भारत का संधि विच्छेद करें तो भा का अर्थ है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए और रत का मतलब है लीन। जो अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने में लीन है उसे कहते हैं भारत। इसी तरह गुरु शब्द का भी अर्थ है। भारत के संस्कारयुक्त जीवन के कारण उसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। हमें संस्कार संस्कृति से मिलते हैं। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की है, वसुधैव कुटुंबकम की संस्कृति है। हम अपना जीवन सभी के भले में लगाएं। उन्होंने कहा कि भारत ने ऋषि-मुनियों के मार्गदर्शन में अच्छी व्यवस्था खड़ी की। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था पर गर्व कर सकते हैं। कई देश हैं जो धन संग्रह करना जानते हैं , लेकिन इस ज्यादा संग्रह से वे लंबे समय तक टिके नहीं रह सकते। देश लंबा चलता है मूल संस्कारों से, हमारी अच्छाइयों से।

कैबिनेट के सदस्यों से मिले सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूछा कि मैं यहां आया तो मुझे पता चला कि स्कूल में छात्राओं की कैबिनेट भी है। उन्होंने स्कूल कैबिनेट के सदस्यों को मंच बुलाया और सबका परिचय लिया। 12वीं क्लास की शिवानी ने सीएम डॉ. यादव को बताया कि मैं स्कूल की स्पोर्ट्स मिनिस्टर हूं। मैं स्पोर्ट्स पसंद करने वाले बच्चों के मन की बात शिक्षकों को बताती हूं। 12वीं कक्षा की सपना गिरी ने बताया कि मैं कल्चरल मिनिस्टर हूं। स्कूल में जितने सांस्कृतिक प्रोग्राम होते हैं, मैं उन्हें देखती हूं। 11वीं क्लास की दीपिका परते ने बताया कि मेरा काम अनुशासन बनाकर रखना है। मेरा काम छात्रों को सही मार्ग दिखाना है। शालिनी परतेले ने बताया कि मैं डिसिप्लीन मिनिस्टर हूं। मैं स्कूल का अनुशासन बनाए रखती हूं। ये सुनकर सीएम डॉ. मोहन यादव मुस्कुराए। उन्होंने कहा कि अनुशासन बनाने वाले के प्रति लोग नाराज रहते हैं। इस पर शालिनी ने जब कहा कि सारे बच्चे अच्छे हैं तो सीएम डॉ. यादव हंस पड़े। स्कूल की कैबिनेट मेंबर स्नेहा ने बताया मैं स्कूल की हैड गर्ल हूं। मैं कैबिनेट के काम के साथ-साथ स्कूल की व्यवस्थाओं को भी देखती हूं। डिप्टी हैड गर्ल सालेह खान ने बताया कि मैं स्कूल की

व्यवस्था में हाथ बंटाती हूं। सेक्रेटरी भावना पाठे ने बताया कि मैं सीनियर्स की मदद करती हूं, जो काम बताया जाता है वो करती हूं। स्कूल की कैबिनेट ने बताया कि वे महीने में एक बार टीचरों के साथ मीटिंग करती है। ये कैबिनेट एक साल के लिए बनती है। बच्चे वोट देते हैं। जैसे चुनाव होते हैं, वैसे ही यहां कैबिनेट बनती है। बाकायदा कैंपेनिंग होती है। कैबिनेट पूरे साल का कैलेंडर बनता है। और, अगर कोई खराब काम करता है उसे हटा भी दिया जाता है।

इतना खास है यह स्कूल

स्कूल टीचर शिवानी शर्मा ने बताया कि वर्ष 1958 में स्थापित कमला नेहरू कन्या शासकीय विद्यालय अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सहयोग से सांदीपनि विद्यालय के रूप में स्थापित हो चुका है। यहां नर्सरी से कक्षा 12वीं तक 1800 से अधिक छात्राएं अध्ययनरत हैं। सांदीपनि विद्यालय में इन्हें सर्व सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। यहां विज्ञान, वाणिज्य और कला सहित अन्य पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस, कंप्यूटर लैब, गणित प्रयोगशाला, लाइब्रेरी है। स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से क्लासेस का संचालन होता है। कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय को हरित विद्यालय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर नामित किया गया है। राज्य स्तर पर स्कूल सर्टिफिकेशन में विद्यालय को सिल्वर अवॉर्ड मिला है। बोर्ड परीक्षाओं में परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय में कैबिनेट गठित करने के लिए ईवीएम ऐप से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराते हैं। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी चुनाव के लिए नामांकन करते हैं और 8 से 12वीं तक के विद्यार्थी वोटिंग करते हैं।

अपना दिमाग जरूर लगाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश के सबसे अच्छे विद्यालय हैं। कमला नेहरू स्कूल के 58 बच्चे मेरिट में उत्तीर्ण हुए हैं, यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। आज निजी विद्यालयों के बच्चे भी सांदीपनि विद्यालयों में आने के लिए लालायित हैं। बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, सेना में अफसर बनें। विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है। अगर देश के लोकतंत्र को जीवित रखना है तो राजनीति में भी आने पड़ेगा। युवा शिक्षित होकर कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से आगे बढ़ें। देश और प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएं। राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं तैयार की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं से पूछा- किताब से कल तक विषय का क्या अर्थ है? छात्रा एकता राजौरिया ने बताया कि किताब से कल तक अर्थ है कि आज बच्चे जो कुछ पढ़ रहे हैं, उसका जीवन में क्या महत्व है। आज हम जो पढ़ रहे हैं, वहीं भविष्य को साकार बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- सिलेबल की पढ़ाई केवल पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक है। छात्रा प्रिंसी वर्मा ने उनसे पूछा- क्या आप चैटजीपीटी का प्रयोग करते हैं, यदि हां तो क्या सर्च करते हैं? इस पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं किसी कार्यक्रम के विषय पर वर्तमान परिदृश्य में क्या नई चीजें हैं, उन्हें सर्च करता हूं। जो हमें अपने भाषण में शामिल करना चाहिए। लेकिन चैटजीपीटी हो या ग्रोक्स, जिसने भी एआई टूल्स हों, ये आखिरी नहीं है। एआई का उपयोग करें, लेकिन स्वयं का दिमाग लगाएं और आंकड़ों को क्रॉस चेक जरूर करें।

भाई-बहनों को पढ़ने के लिए करें प्रेरित

छात्रा लारा खत्री ने मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या आप इंस्टाग्राम यूज करते हैं और किसे फॉलो करते हैं? इस पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सोशल मीडिया के जमाने में हर राजनेता को वर्तमान जरूरतों के साथ चलना पड़ता है। इंस्टाग्राम भी हमें इस्तेमाल करना पड़ता है। मैं पीएम सर को फॉलो करता हूं। छात्रा एकता राजौरिया ने पूछा कि सिलेबस के साथ और कौनसी पुस्तकें पढ़ें, जो हमारे सामान्य ज्ञान को बढ़ाएं? सीएम डॉ. यादव ने कहा कि पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम की पढ़ाई के अलावा हमें अपने जीवन का लक्ष्य तय करके आगे बढ़ना चाहिए। टारगेट से जुड़े विषयों के अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए। ईश्वर ने हमें विशेष गुण दिया है कि जो जैसा सोचता है, वैसा बन जाता है। मैंने नौकरी नहीं की, खेती की और व्यवसाय किया। बेटी को डॉक्टर बनाया। अपने छोटे भाई-बहनों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। छात्रा अयोध्या- आपने डॉक्टरेट (पीएचडी) तक की पढ़ाई और खेल विधा में पारंगत होने के लिए कैसे बैलेंस किया? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के लिए भी समय निकालें। अपनी दिनचर्या निर्धारित करें। इसमें खेलकूद के लिए भी टाइम दें। सोच-विचार के लिए थोड़ा खाली समय भी निकालें। मैं सीएम हाउस में रहते हुए भी नियमित स्वाध्याय करता हूं। डायरी लिखता हूं और आगे करने वाले कार्यों की लिस्ट बनाता हूं। पिछले कार्यों का मूल्यांकन भी करता हूं। जब मैं उज्जैन विकास प्राधिकरण का चेयरमैन बन गया, तब भी राजनीति शास्त्र में एमए किया। उसके बाद इसी विषय में पीएचडी भी कर ली। मैं पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन रखते एमबीए भी किया। जीवन में पढ़ाई का दौर चलता रहना चाहिए। पढ़ने के लिए सिर्फ डिग्री जरूरी नहीं है, बल्कि यह मन की जिज्ञासा को शांत करने के लिए होनी चाहिए। अध्ययन के लिए जीवन में अनुशासन की भी आवश्यकता होती है। लोगों के सामने अपने ज्ञान के प्रदर्शन का तरीका व्यक्तित्व को निखारता है।

इस तरह कम करें तनाव

छात्रा आकांक्षा ने पूछा कि आप तनाव को हैंडिल करने के लिए क्या करते हैं? इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम जिस स्थिति में हो, अपने मन को पहले से तैयार कर लें। मैं संगीत सुनता हूं, योग और व्यायाम भी करता हूं। तनाव कम करने के लिए दिन के साथ रात में नींद का भी समय निर्धारित करें। छात्रा निकिता कटारा ने पूछा कि आपने इतने सुंदर विद्यालयों के नाम सांदीपनि क्यों रखा? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हुई। मित्रता को जीवनभर निभाना चाहिए। महर्षि सांदीपनि आश्रम के नाम पर ऐसे विद्यालयों के नाम रखे गए हैं। छात्रा शालिनी पटेल ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आपको क्या प्रेरणा मिलती है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिना थके, निरंतर समाज हित में काम करते रहें और नई तकनीक को इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

दैनिक **श्रमसाधना**
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

शहर के कई इलाकों में पंप और मशीनों से कराई गई जल निकासी, अधिकारियों को 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश

बारिश के बीच अलर्ट पर निगम, निगमायुक्त ने किया जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

लगातार हो रही बारिश के बीच नगर निगम ग्वालियर ने जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया है। निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने बुधवार को शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया और अधिकारियों को तत्काल जल निकासी तथा लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने दीनदयाल नगर, गोला का मंदिर, सिटी सेंटर सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जहां भी जलभराव की सूचना मिले, वहां बिना देरी किए अमला मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करे।

नगर निगम के दलों ने शहर के विभिन्न इलाकों में मड पंप, डी-वॉटरिंग पंप, सीवर सक्शन मशीन और अन्य मशीनरी की मदद से तेजी से जल निकासी कराई। साथ ही नालों और जल निकासी मार्गों की लगातार निगरानी की गई, ताकि वर्षा का पानी बिना किसी रुकावट के निकल सके।

इन क्षेत्रों में कराई गई जल निकासी : नगर निगम ने आदित्यपुरम स्थित राजराजेश्वरी गार्डन के सामने, तिकोनिया पार्क, नरसिंह नगर, भिंड रोड, दीनदयाल नगर, यूनिपेच फैक्ट्री पटरी रोड, महाराज कॉम्प्लेक्स, मां विहार कॉलोनी, श्री विहार कॉलोनी, विजय नगर एक्सटेंशन, झाड़ू वाला मोहल्ला, कालपी ब्रिज रोड, रेसकोर्स रोड, एकतापुरी कॉलोनी, कंपू थाना तिराहा, शिवाजी नगर, गोला का मंदिर, घासमंडी, मिर्जापुर मस्जिद क्षेत्र, खेड़ापति मंदिर, नयापुरा और लक्ष्मीबाई कॉलोनी सहित अनेक स्थानों पर जल निकासी का कार्य कराया।इसके अलावा वार्ड-65 में नालों के मुहाने खुलवाए गए, जबकि कई स्थानों पर अस्थायी कच्ची नालियां बनाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की गई।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अत्यधिक बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति या जलभराव की सूचना तत्काल नगर निगम के नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। साथ ही मानसून के दौरान सभी जोनल अधिकारियों, इंजीनियरिंग शाखा और संबंधित विभागों को लगातार सक्रिय रखा गया है।

वृंदावन गार्डन में पौधरोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

'आज पौधा, कल वृक्ष' के संकल्प के साथ लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल ने लगाए 51 पौधे

ग्वालियर जीएनएस

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल ने समाधिया कॉलोनी स्थित वृंदावन गार्डन (दरगाह वाला पार्क) में पौधारोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम में क्लब सदस्यों ने 51 पौधे लगाए और उनके वृक्ष बनने तक नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीडीजी-2 एमजेएफ लॉयन सी.एस. तोमर थे। इस अवसर पर पीडीजी एमजेएफ लॉयन नितिन मांगलिक, आईपीडीजी एमजेएफ लॉयन सुधीर बाजपेई, चीफ एरिया लीडर एमजेएफ लॉयन अजय सप्रा, आरसी एमजेएफ लॉयन राजेश वाटवानी तथा जेडसी एमजेएफ लॉयन संजय नीखरा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण को समय की आवश्यकता बताते हुए क्लब की पहल की सराहना की। चीफ एरिया लीडर लॉयन अजय सप्रा ने लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी स्वयं लेने की घोषणा की।

क्लब अध्यक्ष लॉयन अजय बत्रा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा से जुड़े ऐसे अभियान लगातार चलाती रहेगी। कार्यक्रम का संयोजन लॉयन जय किशन तोतलानी ने किया, जबकि संचालन क्लब सचिव लॉयन रोशन गावरा ने किया।

कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथियों ने भी सहभागिता कर पौधारोपण अभियान को सफल बनाया।

पुराने विवाद में फायरिंग करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

मुरार थाना पुलिस ने पुराने विवाद में कट्टे से फायरिंग करने के मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 315 बोर की अधिया (कट्टा) और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम हीरी निवासी आशीष ने 29 जुलाई की रात मुरार थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह सिंघपुर रोड स्थित कलारी के पास सब्जी लेने गया था। इसी दौरान अमन बघेल अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर अमन ने कट्टे से फायर कर दिया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। आरोपियों ने जाते समय दो-तीन और फायर किए तथा जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा और सीएसपी मुरार संदीप बांगरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मैना पटेल के नेतृत्व में आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने फक्कड़ बाबा क्षेत्र से इरफान खान (21) निवासी खुरैरी, मुरार को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात में शामिल होना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर बड़ागांव मरघट के पास छिपाकर रखा गया 315 बोर का कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में जनभागीदारी से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई को दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि गिरफ्तार आरोपी से अन्य पहलुओं पर पूछताछ जारी है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह का पुरस्कार वितरण कल

ग्वालियर। एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आठ दिवसीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह 7 अगस्त को दोपहर 1 बजे स्थानीय बाल भवन सभागार (रूप सिंह स्टेडियम के सामने) आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर होंगे।

संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि 27 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता, नृत्य महोत्सव, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता, %एक शाम मोहम्मद रफी के नाम% सांस्कृतिक संध्या, नेत्र परीक्षण शिविर, काव्य पाठ तथा कवि एवं कवयित्रियों का सम्मान जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्थित 11 बैंक कॉलोनी, बावन पायगा नई सड़क, लश्कर, ग्वालियर में है उक्त वर्णित जिसका नगर निगम भवन क्रमांक 34/462 वार्ड क्रमांक 35 तथा नगर निगम सम्पत्ति आई डी 1000131872 है उक्त सम्पत्ति ग्राम शहर लश्कर के सर्वे क्रमांक 127 मिन का भाग है उक्त सम्पत्ति कुल क्षेत्रफल 1500 वर्गफुट है जिसकी सम्पत्ति स्वामिनी श्रीमती साधना श्रीवास्तव पत्नी श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव है उक्त सम्पत्ति की चर्तुसीमा निम्नानुसार है पूर्व में- भवन क्रमांक 10, पश्चिम में- सार्वजनिक पार्क, उत्तर में- सड़क कॉलोनी, दक्षिण में- भवन क्रमांक 08 है उक्त भवन को विक्रय किये जाने हेतु भवन स्वामिनी द्वारा मेरे पक्षकारों के हित में एडवांस राशि प्राप्त कर अनुबन्ध कर दिया है जिसका निकट भविष्य में वयनामा सम्पादित होना है। अतः उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति, पारिवारिक सदस्य, बैंक, शासकीय एंव अर्द्ध शासकीय निकाय इत्यादि का किसी भी प्रकार का कोई भी हक या स्वत्व निहीत हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य आपत्ति प्रस्तुत करे निकलने म्याद किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य नही होगी। तथा उक्त वर्णित सम्पत्ति का बयनामा मेरे पक्षकारगण अपने हित मे सम्पादित करा लेगें। तत्पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नही की जावेगी। दिनांक: 06.08.2026

प्रेषक: राजेश शर्मा एडवोकेट
सेलार की गोठ, लश्कर, ग्वालियर मोबा.: 9827070827

ब्रह्माकुमारी संस्थान ने शुरू किया 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान

नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं

ग्वालियर जीएनएस

सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि नशे से मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव है। नशे के खिलाफ समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

मंत्री श्री कुशवाह गुरुवार को माधौगंज स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रभु उपहार भवन में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा देशभर में 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान शुरू किया गया है। इसी अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री कुशवाह ने उपस्थित लोगों को नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प दिलाया और नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही नशामुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। युवाओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे नशे से दूरी बनाकर सकारात्मक सोच के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनें। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी, पार्षद श्री अनिल साँखला, श्री अमर कुटे, सेंट्रल ब्यूरो ऑफिस के डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर श्री ब्रिजेन्द्र चौधरी, राजयोगी बीके प्रहलाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।